मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 169
गुरुवार, 01 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

अयोध्या की हर सांस राममयः राजनाथ सिंह

अयोध्या, 31 दिसम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह' में भाग लिया और इस क्षण को राष्ट्र के लिए ऐतिहासिक गौरव और आध्यात्मिक पूर्णता का क्षण बताया। सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने भगवान राम की प्रतिमा की स्थापना के महत्व को याद करते हुए कहा कि आज से दो वर्ष पहले, सदियों के इंतजार के बाद, हमारे भगवान श्री राम अपने दिव्य मंदिर में स्थापित हुए थे। अपनी अद्भुत और तेजस्वी प्रतिमा के साथ, वे आज न केवल अयोध्या बल्कि पूरे विश्व को गौरव प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या का आध्यात्मिक वातावरण लोगों के भगवान राम के साथ गहरे भावनात्मक बंधन को दशार्ता है।

सिंह ने कहा कि आज अयोध्या की हर गली, हर चौराहा, हर द्वार, हर सांस राम से ओतप्रोत है और आनंद से भरी हुई है। यह आनंद केवल अयोध्या तक ही सीमित नहीं है। आज पूरा अवध क्षेत्र, आज पूरा भारतवर्ष और आज दुनिया का हर हृदय जो राम को जानता है, राम का आदर करता है। इस अवसर को सामूहिक गौरव का क्षण बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। वह ऐतिहासिक क्षण, जब स्वयं भगवान श्री रामचंद्र ने अवध की धरती पर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए पुनः प्रकट होने का निर्णय लिया।

राम मंदिर आंदोलन पर विचार करते हुए सिंह ने कहा कि यह विश्व के सबसे शक्तिशाली जन आंदोलनों में से एक है। उन्होंने कहा कि हम उस महान कथा की सफलता का भी जश्न मना रहे हैं। वह कथा इतनी सफल रही कि न केवल राम अपने मंदिर में आए, बल्कि आज धर्म का

ध्वज भी उस मंदिर पर लहरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मैं अक्सर राम मंदिर आंदोलन के बारे में सोचता हूँ। मुझे नहीं पता कि उस आंदोलन के बारे में क्या-क्या कहा गया है या क्या-क्या प्रचारित किया गया है। लेकिन मुझे लगता है कि राम मंदिर आंदोलन दुनिया की सबसे भव्य गाथाओं में से एक है। मुझे 90 के दशक में इस आंदोलन के उदय के साथ उभरी तीव्रता, जागरूकता और व्यापक जन जागरूकता याद है। इसने पूरे देश को झकझोर दिया था। हम सभी ने अपनी आँखों से भगवान राम के मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुए आंदोलन को देखा और जिया है।

अयोध्या के विकास पर प्रकाश डालते हुए, सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और दो इंजन वाली सरकार को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि आज, दो इंजन वाली सरकार के सशक्त नेतृत्व में, अयोध्या अभूतपूर्व परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। हमारे प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप, आस्था, संस्कृति और इतिहास को संरक्षित रखते हुए, यहाँ विश्व स्तरीय अवसंरचना का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर के निर्माण से धार्मिक पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। सिंह ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण के बाद, करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन ने अयोध्या को धार्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र में बदल दिया है। सड़कों, आवासों, हरित क्षेत्रों, हवाई अड्डों और रेलवे के विकास के साथ, अयोध्या एक आधुनिक, सुरक्षित और समृद्ध आदर्श शहर के रूप में उभर रहा है।

दिल्ली में 10 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। दिल्ली पुलिस ने नशे के अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह से ताल्लुक रखने के संदेह में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और दो किलो हेरोइन बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत अतरराष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ रुपये आंकी गयी है। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों की पहचान अंशुल राणा और गंगा प्रसाद उर्फ विक्की के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, दिल्ली के द्वारका में छापेमारी के दौरान राणा के पास से कुल 2.034 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई, जबकि प्रसाद को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक अलग अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने बताया कि द्वारका के एक स्कूल के पास हेरोइन की

एक बड़ी खेप पहुंचाने वाले एक तस्कर की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के बाद अपराध शाखा की एक टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया।

उन्होंने कहा, टीम ने सेक्टर आठ से में स्थित एक स्कूल से सटे एक खेल परिसर के पास राणा को पकड़ा और उसके बैग की तलाशी लेने पर 2.034 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान, राणा ने खुलासा किया कि उसने यह प्रतिबंधित सामान प्रसाद से प्राप्त किया था, जो इसे उत्तर प्रदेश के बरेली से मंगवाता था। इसके आधार पर टीम ने लक्ष्मी नगर में प्रसाद की मौजूदगी पाई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में सक्रिय था, जिसमें प्रसाद कथित तौर पर बरेली से बड़ी मात्रा में हेरोइन खरीदता था और उसे राणा तक पहुंचाता था, जो फिर उसे राजधानी में स्थानीय तस्करों को वितरित करता था। पुलिस ने हेरोइन के अलावा तस्करी में कथित तौर इस्तेमाल किए जाने वाले एक स्कूटर और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए।

पूर्व सरकारों ने रामनगरी को किया लहूलुहान, लेकिन सनातन से ऊपर कोई नहीं : योगी

अयोध्या, 31 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राम जन्मभूमि मंदिर और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, वहीं विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने अयोध्या को अशांति और संघर्ष की भूमि बना दिया है।उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे हैं। अयोध्या का नाम ही बताता है कि यहां कोई युद्ध नहीं लड़ा गया, जिसका अर्थ है कि कोई भी शत्रु इसके साहस के सामने टिक नहीं

सका। लेकिन कुछ लोगों ने लालच, धार्मिक कट्टरता और तुष्टीकरण की नीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का स्थान बना दिया है। उन्होंने मंदिर की नींव रखने के समारोह, प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण को याद करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या तीन क्षणों को कभी नहीं भूल सकती। 5 अगस्त, 2020, जब भारत के प्रधानमंत्री पहली बार अयोध्या पहुंचे और राम जन्मभूमि मंदिर की नींव रखी। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री ने राम लल्ला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पूरी की। तीसरा क्षण 25 नवंबर को था, जब प्रधानमंत्री ने मंदिर के शीर्ष पर भगवा ध्वज फहराया।

नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वजारोहण किया, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक था। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी धन्यवाद दिया, जो उस अवसर पर उपस्थित थे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए 2025 में कई मोर्चों पर भाजपा की विफलताओं और कुशासन का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन प्रदान करने की कामना की। आज सुबह एक एक्स पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष के नेता ने एमजीएनआरईजीए के प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला देते हुए भाजपा की आलोचना की।

अब इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पलटवार किया है। नड्डा ने कांग्रेस और खरगे पर झूठ परोसने का आरोप लगाते हुए कहा कि खरगे जी झूठ परोसना बंद कीजिये और आत्ममुग्धता के बजाय आत्मचिंतन

कीजिये। तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं। नड्डा ने एक्स पर लिखा कि मल्लिकार्जुन खरगे जी, झूठ परोसने के अलावे कांग्रेस के पास और कोई काम नहीं है क्या? कांग्रेस मध्य प्रदेश हारी, छत्तीसगढ़ हारी, महाराष्ट्र हारी, दिल्ली और बिहार में आपका सूपड़ा साफ हो गया। खरगे जी, 2025 में देश की जनता ने आपके हर झूठ को खारिज किया। इसके बावजूद आप झूठ की खेती करने से बाज नहीं आ रहे।

अपने लंबे पोस्ट में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गजब है। आपने मनरेगा पर झूठ बोला कि इसे खत्म कर दिया गया है और गरीबों के काम का अधिकार छीन लिया गया है जबकि सच्चाई यह है कि मनरेगा को वीबी जी राम जी के रूप में और व्यापक बनाया गया है, काम के दिनों को बढ़ा कर 125 किया गया है, 15 दिन में भुगतान सुनिश्चित किया गया है और इससे ग्राम सशक्तिकरण को जोड़ा गया है। वैसे भी जब संसद में इस पर चर्चा चल रही थी तो आपके नेता इस चर्चा को छोड़ कर भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस द्वारा फंडेड ग्लोबल प्रोग्रेसिव एलायंस में भारत विरोधी लोगों से मिल रहे थे। सही कहा न? खरगे पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि आपने फिर रक्फ़ और इछड को लेकर झूठ बोला और कहा कि लोगों का रवोटिंग का अधिकारर छीना गया और भाजपा की वोट चोरी पकड़ी गई - खरगे जी, ये तो देश की जनता ने आपके झूठ को पकड़ा और अदालत में भी आपका झूठ खारिज हुआ। बिहार में क्या हुआ खरगे जी? आपके कितने इछअ जमीन पर उतरे? आपने कितनी शिकायत चुनाव आयोग से की? जनता की वोट चोरी तो हुई नहीं, उन्होंने तो अपने मताधिकार का प्रयोग कर आपकी बूथ चोरी और झूठ की दुकान बंद कर दी।

उन्होंने कहा कि खरगे जी, आपने देश की अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाये। सच्चाई ये है कि आपकी सरकार में भारत फ्रेजाइल फाइव में था, आज टॉप फाइव में है। आज भारत न केवल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है बल्कि तमाम उथलपुथल के बीच दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड हाई पर है लेकिन आपको ये दिखाई नहीं देगा क्योंकि आपकी मंशा तो देश को बदनाम करने की है। देश की जनता उअर पूरी दुनिया भारत को आर्थिक महाशक्ति मान रही है, आपने न मानने से कुछ नहीं होता खरगे जी!

नड्डा ने कहा कि खरगे जी, आप ने आदतन फिर से भारत की जांबाज सेना पर सवाल उठाये।

अमित शाह का कोलकाता दौरा समाप्त, भाजपा विधायकों और सांसदों संग की बैठक

कोलकता, 31 दिसम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और सांसदों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भाजपा विधायकों और राज्य के सांसदों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चर्चा का केंद्र संगठनात्मक मामले और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति थी। अमित शाह भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तहत राज्य के दौरे पर हैं और पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कर रहे हैं। इस बीच, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक खींचतान तेज होने के साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक-दूसरे पर

तीखे हमले किए।

भाजपा के चुनाव अभियान की शुरूआत के लिए पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार राज्य की पहचान बन गए हैं। उन्होंने राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ पर ममता बनर्जी के रुख पर सवाल उठाया। उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने से इनकार करने का भी आरोप लगाया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल में विकास रुक गया है। मोदी सरकार की सभी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 15 अप्रैल, 2026 के बाद जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंगाल की विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करेंगे। यह 'बंगा भूमि' हमारे लिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि भाजपा का गठन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था, जो यहीं के एक महान नेता थे।

कानून मंत्री का दावा : 2025 में न्यायिक नियुक्तियां हुई बेहतर

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कहा कि 2025 में काफी संख्या में न्यायिक नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र ने पिछले वर्ष अच्छा काम किया और मानवीय मामलों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एएनआई से एक साक्षात्कार में संसदीय कार्य राज्य मंत्री भी रहे मेघवाल ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों से संबंधित सुधारों के विधेयक संसद में पेश किए गए और उन्हें सदन में मध्यस्थता के माध्यम से पारित कराने के प्रयास किए गए।

वैश्विक परिवार दिवस- 1 जनवरी, 2026

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

-ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, ह्यशान्ति में एक दिनह्व से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरूआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरूआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में ह्यवन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000ह्व जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरूआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए। वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे।

परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं।

काफी खट्टी मीठी यादें छोड़ गया 2025

-अजय कुमार

साल 2025 इतिहास के पन्नों में सिमट चुका है। प्रत्येक की तरह बीता साल भी कुछ मीठी-खट्टी, दुख-दर्द, हंसी-खुशी भरी यादें और उत्थान-पतन की कहानी छोड़कर गया है। प्रदेश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक हालात में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ घटित हुईं, जिनका व्यापक असर राज्य की जनता पर पड़ा। 2025 में राज्य में घटित महत्वपूर्ण घटनाओं, अपराध, विकास कार्य, कानून व्यवस्था और राजनीतिक हलचलों की कहानी काफी कुछ कहती है। पूरे साल 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की तैयारी ने सभी दलों को जोर-शोर से सक्रिय रखा। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश गौरव यात्रा का आयोजन किया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 75 जिलों का दौरा कर 5 करोड़ से अधिक लोगों को संबोधित किया। विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी ने सामाजिक न्याय यात्रा चलाई, जिसमें अखिलेश यादव ने दो करोड़ युवाओं को जोड़ा। संभल और बरेली में कट्टरपंथियों की हिंसा से प्रदेश की छवि धूमिल हुई। वक्फ बोर्ड के नए कानून ने भी काफी हलचल बनाए रखी।

उधर, एक अन्य घटनाक्रम में अराजनैतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रदेश में लगनी वाली शाखाओं की संख्या बढ़कर 50 हजार हो गई, जिससे हिंदुत्व की लहर तेज हुई। कांग्रेस ने भी पुनरुत्थान की कोशिश की, लेकिन मात्र 5 फीसदी वोट शेयर के साथ असफल रही। महत्वपूर्ण घटना रही राम मंदिर का पूर्ण उद्घाटन हुआ, जहां 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे। इसी साल प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेले को भी नहीं भूला जा सकता है, 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित मेले में करीब सत्तर करोड़ भक्तों ने संगम में डुबकी लगाई, जिसमें बड़ी संख्या में विदेशी भी शामिल थे।

आर्थिक उत्थान की नई ऊंचाइयां

उत्तर प्रदेश ने आर्थिक मोर्चे पर रिकॉर्ड तोड़ा। राज्य की जीडीपी वृद्धि दर 8.5% रही, जो राष्ट्रीय औसत 7% से अधिक थी। एक जिला एक उत्पाद योजना से 20 लाख रोजगार सृजित हुए। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर 500 नई इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 10,000 करोड़ का निवेश आया। कृषि क्षेत्र में सूर्यास्त से पहले बिक्री योजना से किसानों को 50,000 करोड़ का लाभ हुआ। 1 करोड़ से अधिक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। पर्यटन में अयोध्या का योगदान सबसे बड़ा रहा, जहां 2 करोड़ पर्यटक आए और 15,000 करोड़ की आय हुई। बुनियादी ढांचे में 10 नए हवाई अड्डे चालू हुए, जिससे निर्यात 30% बढ़ा। महंगाई दर 5% पर नियंत्रित रही, लेकिन बेरोजगारी 6% पर स्थिर रही। कुल 25 लाख नौकरियां पैदा हुईं, जो राज्य को भारत का दूसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाया।

सामाजिक परिवर्तनों की लहर

सामाजिक क्षेत्र में 2025 ने कई मील के पत्थर गाड़े। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लड़कियों का स्कूल नामांकन 95% पहुंचा। 50 लाख बालिकाओं को साइकिल वितरित की गईं। जातिगत जनगणना की मांग तेज हुई, जिसमें ओबीसी आबादी 52% बताई गई। वहीं महिला सशक्तिकरण में 2 लाख स्वयं सहायता समूह बने, जिन्होंने 5,000 करोड़ का कारोबार किया। कोविड के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से शिशु मृत्यु दर 20 प्रति हजार घटी। ग्रामीण विद्युतीकरण 100% हो गया, तीन करोड़ घरों में बिजली पहुंची। दलित-मुस्लिम एकता की घटनाएं बढ़ीं, लेकिन सांप्रदायिक तनाव के 200 मामले दर्ज हुए। शिक्षा में 1,000 नए स्कूल खुले, साक्षरता दर 82% हो गई।

अपराध और कानून व्यवस्था की चुनौतियां

कानून व्यवस्था में मिश्रित परिणाम आए। अपराध दर 15% घटी, 2 लाख मामले दर्ज हुए। पुलिस मॉडर्नाइजेशन से 5,000 सीसीटीवी कैमरे लगे। गैंगस्टर एक्ट के तहत 500 गिरोहबाज जेल पहुंचे। वहीं महिला अपराधों में 20% वृद्धि हुई, 50,000 मामले दर्ज। लव जिहाद के 1,000 केस सामने आए। साइबर अपराध 40% बढ़े, 10,000 शिकायतें आईं। नार्को ड्रग्स जब्ती में रिकॉर्ड 500 किलो हेरोइन पकड़ी गई। पुलिस भर्ती में 60,000 पद भरे गए। बीते साल खूंखार अपराधियों की मृत्यु से माफिया राज कमजोर हुआ। हालांकि, 100 पुलिस मुठभेड़ों में 200 अपराधी ढेर हुए, जिस पर विवाद रहा। कुल मिलाकर, अपराध नियंत्रण में 70% सफलता मिली।

उत्थान-पतन की समग्र कहानी

2025 उत्तर प्रदेश के लिए उम्मीदों भरा साल साबित हुआ। राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक उछाल और विकास कार्यों ने राज्य को नई ऊंचाई दी। 10 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला। चुनौतियां जैसे अपराध और बेरोजगारी बनी रहीं, लेकिन कानून व्यवस्था मजबूत हुई। भविष्य में 2027 चुनाव निर्णायक होंगे। योगी सरकार को 55% लोकप्रियता मिली। सामाजिक एकता बढ़ी, लेकिन जातिगत समीकरण जटिल बने। कुल 2,500 करोड़ की कल्याण योजनाएं चलीं। यह साल इतिहास में विकास का वर्ष के रूप में दर्ज होगा, जहां दर्द के साथ खुशियां भी बंटीं।

आर्थिक उत्थान की नई ऊंचाइयां

उत्तर प्रदेश ने आर्थिक मोर्चे पर रिकॉर्ड तोड़ा। राज्य की जीडीपी वृद्धि दर 8.5% रही, जो राष्ट्रीय औसत 7% से अधिक थी। एक जिला एक उत्पाद योजना से 20 लाख रोजगार सृजित हुए। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर 500 नई इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 10,000 करोड़ का निवेश आया। जबकि कृषि क्षेत्र में सूर्यास्त से पहले बिक्री योजना से किसानों को 50,000 करोड़ का लाभ हुआ। 1 करोड़ से अधिक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। पर्यटन में अयोध्या का योगदान सबसे बड़ा रहा, जहां 2 करोड़ पर्यटक आए और 15,000 करोड़ की आय हुई। बुनियादी ढांचे में 10 नए हवाई अड्डे चालू हुए, जिससे निर्यात 30% बढ़ा। महंगाई दर 5% पर नियंत्रित रही, लेकिन बेरोजगारी 6% पर स्थिर रही। कुल 25 लाख नौकरियां पैदा हुईं, जो राज्य को भारत का दूसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाया। आवास योजना से 20 लाख गरीबों को घर मिले। जल जीवन मिशन से 5 करोड़ घरों में नल जुड़ें। सौर ऊर्जा क्षमता 10,000 मेगावाट पहुंची। गंगा एक्सप्रेसवे पूरा होने से लॉजिस्टिक्स लागत 30% घटी। उद्योग नीति से 50 हजार करोड़ का निवेश आया। डिजिटल इंडिया से 90% गांव इंटरनेट से जुड़े। पर्यावरण में 1 करोड़ पेड़ लगाए गए। ये कार्य राज्य को ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की ओर ले गए।

बुलडोजर कार्रवाई

2025 में उत्तर प्रदेश सरकार ने अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को तेज किया। यह कार्रवाई मुख्य रूप से माफिया और उनके अवैध निर्माणों पर केंद्रित थी। सरकार का कहना था कि यह कदम राज्य में अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश देने के लिए था। कई माफिया और गुंडे, जिनके पास बड़े अवैध निर्माण और संपत्ति थी, उन पर बुलडोजर से कार्रवाई की गई। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद भी उठे, और कई विपक्षी दलों ने इसे अवैध और तानाशाही करार दिया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कई बड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। राज्य सरकार ने पुलिस को और अधिक अधिकार दिए ताकि वे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, कुछ प्रमुख अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और उनकी संपत्तियों को जब्त किया गया।

सुधार की दिशा में कदम

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। पुलिस व्यवस्था में सुधार करने के लिए नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। इसके अलावा, पुलिस स्टेशनों में तकनीकी उपकरणों की संख्या बढ़ाई गई, ताकि अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सके। महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी विशेष कदम उठाए गए। महिला पुलिस बलों की संख्या में वृद्धि की गई और महिला हेल्पलाइन की सुविधा को और प्रभावी बनाया गया। हालांकि, इसके बावजूद, महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं में कमी आने के बजाय उनका प्रतिशत कुछ हद तक बढ़ा। 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के विकास कार्यों पर जोर दिया। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, और बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में कई परियोजनाएँ शुरू की गईं। राज्य सरकार ने किसानों के लिए कर्ज माफी योजनाओं की घोषणा की और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी दी। हालांकि, बेरोजगारी की समस्या अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी रही। राज्य में नए उद्योगों की स्थापना के बावजूद, बेरोजगारी दर में कोई खास कमी नहीं आई।

शहरीकरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर

मुख्य रूप से शहरी इलाकों में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ। कई बड़े शहरों में मेट्रो परियोजनाओं की शुरूआत की गई। राजधानी लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में नई सड़कें, फ्लाईओवर्स, और आवासीय परियोजनाएँ शुरू हुईं।

राजनीतिक माहौल और दलों का रवैया

2025 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त हलचल देखने को मिली। राज्य में प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.), समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस के बीच जोरदार चुनावी संघर्ष देखने को मिला। इन दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति रही। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए हिंदू मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया। सरकार ने हिंदू धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बजट बढ़ाया और हिंदू धर्म से जुड़े कई विवादित मुद्दों पर भी आवाज उठाई।

राजनीतिक दलों का रवैया

समाजवादी पार्टी

सपा ने मुसलमानों और पिछड़े वर्गों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की। सपा ने यह दावा किया कि वह समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा करती है। पार्टी ने राज्य में कई विकास परियोजनाओं के लिए वादे किए और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

बहुजन समाज पार्टी

बसपा ने दलितों और पिछड़े वर्गों को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीति को आगे बढ़ाया। मायावती ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में दलितों के अधिकारों की बात की और अपनी पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। 2025 में पूरे साल राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी ने अपने शासन को बनाए रखने के लिए व्यापक प्रचार किया, जबकि सपा और बसपा ने अपनी पहचान मजबूत करने की कोशिश की। कांग्रेस पार्टी ने हिंदू-मुस्लिम सियासत और ध्रुवीकरण की बढ़ती स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश की।

उत्तर प्रदेश में बीता साल हिंदू-मुस्लिम सियासत एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा। हिंदू वोट बैंक को साधने के लिए भाजपा ने कई धार्मिक मुद्दों को हवा दी। वहीं, सपा और बसपा ने मुस्लिम वोटों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश की। इस स्थिति ने राज्य में सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया, जिससे शांति और सद्भाव की स्थिति प्रभावित हुई। हिंदू-मुस्लिम मुद्दों ने राज्य की राजनीति में स्थिरता को खतरे में डाल दिया। धार्मिक असहमति और भेदभाव की भावना ने राज्य में तनाव को बढ़ाया, हालांकि राज्य सरकार ने इस पर नियंत्रण पाने के प्रयास किए।

देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

-निर्मल रानी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गत 9 दिसंबर को कुछ स्थानीय युवकों द्वारा अगरतला (त्रिपुरा) के निवासी 24 वर्षीय अंजेल चकमा नामक एक छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले के बाद 17 दिनों तक अस्पताल में इलाजरत रहने के बाद गत 26 दिसंबर को आखिरकार उसकी मृत्यु हो गई। चकमा, देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र थे। खबरों के अनुसार देहरादून में अंजेल चकमा की मौत एक कथित नस्लीय हमले के कारण हुई। बताया जाता है कि 9 दिसंबर को जब अंजेल और उनके 21 वर्षीय छोटे भाई माइकल चकमा पास के सेलाकुई इलाके में किराने का सामान खरीदने गए थे उसी समय उनके चेहरों को देखकर हमलावरों ने उन्हें नस्ली गालियां दीं। बताया जाता है कि घटनास्थल पर करीब छह लोगों का एक समूह, जो पास में ही पहले से किसी के जन्मदिन का जश्न मना रहा था, ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उनपर नस्ली टिप्पणियां करते हुये उनपर चिंकी, चीनी और मोमो जैसी टिप्पणी की। जबकि एक आरोपी ने कहा कि ओये चीनी, क्या सूअर का मांस खरीदने आए हो? माइकल ने इसका विरोध किया, तो एक आरोपी ने उन्हें ब्रेसलेट से सिर पर मारा। अंजेल ने अपने भाई की रक्षा करने की कोशिश की और शांतिपूर्वक कहा, हम चीनी नहीं हैं... हम भारतीय हैं। क्या प्रमाण-पत्र दिखाएं कि हम भारतीय हैं? लेकिन नफरती संस्कारों में डूबे गुंडों के इस समूह ने हिंसक रूप से उनपर हमला कर दिया। यज्ञ अवस्थी नामक मुख्य आरोपी ने अंजेल की गर्दन और पीठ पर तेज हथियार से वार किया, जिससे वे गिर पड़े। माइकल भी घायल हुए, लेकिन उन्होंने अंजेल को पास के अस्पताल पहुंचाया। अंजेल की हालत गंभीर थी–उनकी गर्दन और स्पाइन में गहरी चोटें थीं–आखिरकार वे कभी पूर्ण चेतना में वापस नहीं आए और नफरत के सौदागरों ने एक होनहार भारतीय छात्र की हत्या कर उसके परिवार को अंधकार में धकेल दिया। निश्चित रूप से इस घटना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के खिलाफ उपजी नस्लवाद की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। इस घटना को लेकर त्रिपुरा सहित देश के विभिन्न राज्यों व शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालाँकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास को लेकर तरह तरह की बातें करते रहते हैं, परन्तु हकीकत यही है कि गत कुछ वर्षों में इसी देव भूमि में सत्ता संरक्षित धर्म जाति आधारित नफरती घटनाओं में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर अक्टूबर 2023 में उत्तराखंड के पुरोला कस्बे में एक 14 वर्षीय लड़की के अपहरण के बाद 'लव जिहाद' का आरोप लगाकर हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काये गये। मुस्लिम मकानों व दुकानों पर लक्षित हमले किये गये, कई परिवार शहर छोड़कर भागने को मजबूर हुये। इसी तरह हल्द्वानी में 2024 की बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद के विध्वंस पर पथराव, आगजनी और पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सबसे प्रमुख रही, जहां 6 लोगों की मौतें हुईं। 2025 में भी कश्मीरपुर और हल्द्वानी में साम्प्रदायिक तनाव देखा गया। राज्य में दलितों के विरुद्ध भी अनेक घटनायें होती रहती हैं। परन्तु समाज में धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर बढ़ती नफरतों के बीच इस राज्य को 'देव भूमि' के रूप में भी प्रचारित किया जाता है।

सवाल यह है कि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय राज्य सहित देश के अन्य विभिन्न राज्यों में इस तरह के नफरत व हिंसा पैदा करने वाले हालात क्या अचानक पैदा हुए हैं या सत्ता के संरक्षण में इन नफरती संस्कारों को पोषित किया जा रहा है? उत्तराखंड की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा दिये गये बयान से यह काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि 'पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ ऐसी घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं और समाज को भेदभाव रोकने के लिए एकजुट होना चाहिए। हम लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। हमें मिलकर भेदभाव को रोकना होगा। भारत के किसी भी हिस्से के लोगों को हर जगह सुरक्षित महसूस करना चाहिए। उनकी मृत्यु बेहद दुखद है'। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि 'देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है'। उन्होंने आगे यह भी कहा कि 'ऐसी नफरत रातों रात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोजाना, खासकर हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और गैर - जिम्मेदाराना खबरों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। किसी का भी मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। कोई भी घटना देश के लिए दुखद घटना होती है। अगर देश में ऐसी कोई भी घटना होती है तो पूरे समाज को मिलकर उसके खिलाफ लड़ना चाहिए।' वहीं, राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी में कहा कि हम प्रेम और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीयों को निशाना बनाए जाने पर अनदेखी करे। हमें यह सोचने और सामना करने की जरूरत है कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं?

अफसोस की बात तो यह कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उत्तराखंड की घटना के बाद व्यक्त किये गये विचार उस समय सामने आये जब उनके अपने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की नस्लवादी नफरती लोगों द्वारा हत्या कर दी गयी? जबकि लगभग एक दशक से देश में जगह जगह अल्पसंख्यकों, दलितों व पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जाता रहा है। लिंचिंग की घटनायें घटित हो रही हैं। जगह जगह उन्मादी भीड़ पुलिस की शह पर वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बनाती रही है। जगह जगह उकसाऊ भाषण हो रहे हैं। कहीं हथियार बांटे जा रहे हैं। तो कहीं संवैधानिक पदों पर बैठे लोग स्वयं अपने जहरीले बोलों से समाज में हिंसा व नफरत बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह गोदी मीडिया भी इस नफरती वातावरण को और भी जहरीला बना रहा है। ऐसे में रिजिजू की चिंताओं के अनुसार भारत के किसी भी हिस्से के लोगों का स्वयं को हर जगह सुरक्षित महसूस करना कहां संभव हो पा रहा है? इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि आखिर देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफरती संस्कार?

नव वर्ष: बदलती तारीख नहीं, बदलती दृष्टि की जरूरत

- डॉ. प्रियंका सौरभ

नव वर्ष आते ही हमारे समाज में एक अजीब-सी हलचल शुरू हो जाती है। कैलेंडर बदलता है, मोबाइल पर शुभकामनाओं की बाढ़ आ जाती है, टीवी चैनलों पर ह्न्यू ईयर स्पेशलह्व कार्यक्रम चलने लगते हैं और हम सब एक-दूसरे को यह भरोसा दिलाने में जुट जाते हैं कि ह्वइस साल सब अच्छा होगा। लेकिन हर साल की तरह यह सवाल फिर वहीं खड़ा रह जाता है—क्या सचमुच कुछ नया होता है, या हम सिर्फ. तारीख बदलकर पुराने ढर्रे पर ही चलते रहते हैं?

भारत जैसे देश में नव वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर होना चाहिए। क्योंकि यहाँ नया साल हर किसी के लिए एक-सा नहीं होता। किसी के लिए यह छुट्टियों, पार्टियों और संकल्पों का समय है, तो किसी के लिए वही पुरानी सुबह—चार बजे की नींद, अधूरी इच्छाएँ और जिम्मेदारियों का

-प्रियंका सौरभ

अनवरत सिलसिला। माएँ, कामकाजी स्त्रियाँ, दिहाड़ी मजदूर, किसान, शिक्षक, नर्स, ड्राइवर—इनके जीवन में नया साल अक्सर सिर्फ. कैलेंडर की एक और तारीख बनकर रह जाता है। नव वर्ष की रात हम जिन रोशनियों, आतिशबाज़ियों और संगीत के बीच जश्न मनाते हैं, उन्हीं रातों में कोई माँ अगले दिन के टिफि न की चिंता में जल्दी सो जाती है। कोई मजदूर अगली सुबह काम मिलेगा या नहीं, इसी उधेड़बुन में करवटें बदलता है। कोई किसान आसमान की ओर देखकर यह हिसाब लगाता है कि यह साल बारिश देगा या कर्ज.। हम अक्सर कहते हैं—नया साल, नई शुरूआत। लेकिन क्या यह नई शुरूआत सबके लिए संभव है?

जब तक समाज की संरचनाएँ वही रहती हैं, सोच वही रहती है, असमानताएँ वही रहती हैं, तब तक नया साल सिर्फ.एक भावनात्मक भ्रम बनकर रह जाता है। असल में बदलाव तब आता है जब उत्सव के शोर के बीच हम उन आवाजों को भी सुनने लगें जो अक्सर दबा दी जाती हैं। नव वर्ष का वास्तविक अर्थ तभी बनता है जब हम यह स्वीकार करें कि हर व्यक्ति का जीवन एक-सा नहीं है और समान अवसर बिना समान दृष्टि के संभव नहीं।

नव वर्ष पर सबसे ज्यादा शुभकामनाएँ स्त्रियों के नाम लिखी जाती हैं। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में मुस्कराती रहें, सब कुछ सँभाल लें और कभी शिकायत न करें। लेकिन शायद ही कोई उनसे यह पूछता है कि वे थकी हैं या नहीं, उन्हें भी रुकने की जरूरत है या नहीं। कामकाजी स्त्री का नया साल अक्सर पुराने संघर्षों के साथ शुरू होता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह घर भी सँभाले, नौकरी भी करे, भावनात्मक संतुलन भी बनाए रखे और इन सबके बीच खुद को भूल जाए। समाज उसकी सहनशीलता को उसकी ताकत कहकर महिमामंडित करता है, लेकिन उस सहनशीलता के पीछे छिपी थकान को देखने से बचता है। अगर यह नव वर्ष सच में नया होना है, तो सबसे पहले हमें स्त्री को त्याग की मूर्ति नहीं, बराबरी का नागरिक मानना होगा। उसे यह अधिकार देना होगा कि वह थके, बोले, असहमत हो और अपने लिए भी समय माँगे।

नव वर्ष केवल व्यक्तिगत संकल्पों का विषय नहीं है, यह सामूहिक जिम्मेदारी का भी समय है। हम अक्सर अपने लिए संकल्प लेते हैं—ज्यादा मेहनत करने का, ज्यादा कमाने का, बेहतर जीवन जीने का। लेकिन समाज के लिए संकल्प बहुत कम लेते हैं। क्या हम यह तय कर सकते हैं कि घर के काम को मदद नहीं, जिम्मेदारी मानेंगे? क्या हम यह सोच सकते हैं कि बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, संवेदना भी सिखाएँगे? क्या हम यह स्वीकार करेंगे कि हर इंसान की गति एक-सी नहीं होती? परिवार ही समाज की पहली पाठशाला है। अगर घर में बराबरी नहीं होगी, तो समाज में कैसे होगी? अगर घर में स्त्री की थकान को सामान्य मान लिया जाएगा, तो बाहर उसके अधिकारों की बात खोखली लगेगी। नव वर्ष पर अगर कोई सच्चा संकल्प लिया जाना चाहिए, तो वह यही है कि हम अपने घरों से बदलाव की शुरूआत करें।

युवा पीढ़ी के लिए नव वर्ष सपनों और उम्मीदों का प्रतीक होता है। नए लक्ष्य, नई योजनाएँ और नई उड़ान। लेकिन आज का युवा भी कई दबावों में घिरा है—प्रतियोगिता, बेरोजगारी, सामाजिक तुलना और डिजिटल दुनिया का मानसिक बोझ। हर नव वर्ष पर उससे कहा जाता है कि वह कुछ बड़ा करे, कुछ साबित करे। लेकिन शायद ही कोई यह कहता है कि अगर वह थक जाए तो रुकना भी ठीक है, अगर वह असफल हो जाए तो उसका जीवन समाप्त नहीं हो जाता। यह नव वर्ष युवाओं को यह भरोसा दे कि उनका मूल्य केवल उनकी उपलब्धियों से नहीं आँका जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और संतुलन भी उतने ही जरूरी हैं जितनी सफलता। समाज को यह समझना होगा कि हर युवा मशीन नहीं है, बल्कि एक संवेदनशील इंसान है।

नव वर्ष पर सरकारें, संस्थाएँ और मीडिया विकास की नई योजनाओं की घोषणाएँ करते हैं। सड़कें, इमारतें, आँकड़े और लक्ष्य—सब कुछ विकास के नाम पर गिनाया जाता है। लेकिन विकास का अर्थ केवल भौतिक उन्नति नहीं हो सकता। असली विकास तब होता है जब समाज का आखिरी व्यक्ति भी यह महसूस करे कि वह अकेला नहीं है, उसकी पीड़ा मायने रखती है।

जब तक संवेदना विकास की भाषा का हिस्सा नहीं बनेगी, तब तक नया साल केवल नई योजनाओं की सूची बनकर रह जाएगा। हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या विकास की दौड़ में हम इंसान होना तो नहीं भूल रहे। क्या लाभ और मुनाफे से आगे भी कुछ है जिसे बचाए रखना जरूरी है?

नव वर्ष का सबसे बड़ा अर्थ आत्ममंथन है। खुद से सवाल करने का साहस कि हम कहाँ चूके, किसके साथ अन्याय के गवाह बने और चुप रहे। यह आत्ममंथन व्यक्तिगत भी होना चाहिए और सामाजिक भी। क्योंकि जब तक हम अपनी भूमिका नहीं पहचानेंगे, तब तक किसी बदलाव की उम्मीद करना व्यर्थ है। नया साल कैसा हो—यह तय करने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। अगर यह साल केवल शुभकामनाओं तक सीमित रह गया, तो यह भी बाकी सालों जैसा ही होगा। लेकिन अगर यह हमें थोड़ा ज्यादा मानवीय, थोड़ा ज्यादा जिम्मेदार और थोड़ा ज्यादा न्यायपूर्ण बना सके, तो यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। नव वर्ष कोई जादुई रेखा नहीं खींचता जो सब कुछ बदल दे। बदलाव हमसे आता है—हमारी सोच से, हमारे व्यवहार से और हमारे छोटे-छोटे निर्णयों से। अगर यह नव वर्ष हमें दूसरों की पीड़ा देखने, समझने और उसके प्रति संवेदनशील होने का अवसर दे सके, तो यही इसका वास्तविक उत्सव होगा।

क्योंकि नया साल तभी नया होता है, जब समाज की दृष्टि नई हो।

लखनऊ में आयोजित संचालन और गायन प्रतियोगिता में मुंबई की बेटी आद्या श्रीवास्तव ने अपनी प्रतिभा से मुंबई का किया नाम रोशन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान प्रेक्षागार में आयोजित राष्ट्रीय गायन प्रतियोगिता में मुंबई महाराष्ट्र निवासी आद्या श्रीवास्तव ने गजल और फिल्म संगीत के सीनियर वर्ग में शानदार प्रस्तुतियां देकर जीत हासिल कर अपने माता-पिता और मुंबई का नाम रोशन किया है । बतादें कि संगम कला ग्रुप दिल्ली द्वारा आयोजित 41वीं सुर तरंग लखनऊ चैप्टर की वृहद स्तर गायन प्रतियोगिता का आयोजन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में संपन्न हुआ जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हुए प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। तीन राउंड्स बेहतरीन प्रदर्शन करके आद्या श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान पर अधिकार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले श्री दिल्ली में आगामी फरवरी माह में किया जाएगा जहां देश भर से चयनित गायक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उक्त उपलब्धि के साथ ही बहुमुखी प्रतिभा की धनी आद्या श्रीवास्तव ने विश्वेश्वरैया प्रेक्षागार में आयोजित राष्ट्र स्तरीय एंकरिंग प्रतियोगिता सुर शान 2025 में कड़ी प्रतिस्पर्धा को जीतकर बेस्ट एंकर फर्स्ट रनरअप का खिताब हासिल कर नकद पुरस्कार, अंगवस्त्र, ट्राफी तथा प्रमाण पत्र आदि प्राप्त किया।

होमलेन की 100 नए स्टोर्स के साथ देशभर में विस्तार की तैयारी

मुंबई। भारत की मशहूर होम इंटीरियर कंपनी होमलेन के लिए बीता साल बड़ी सफलता लेकर आया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 का अंत शानदार मुनाफे के साथ किया है। इस दौरान होमलेन ने 22% की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए 756 करोड़ रुपये की कमाई की। सबसे खास बात यह रही कि चौथी तिमाही तक आते-आते कंपनी पूरी तरह मुनाफे की राह पर आ गई। इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने अब अगले एक साल में 100 नए फ्रैंचाइजी स्टोर्स खोलने का लक्ष्य रखा है। होमलेन का इरादा अब सिर्फ बड़े मेट्रो शहरों तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि छोटे और उभरते शहरों के घर-घर तक पहुंचने का है। होमलेन के सीईओ और सह-संस्थापक श्रीकांत अय्यर ने कहा, ₹2025 में हमने जो हासिल किया है, वह तो बस एक शुरूआत है। यह होमलेन की ग्रोथ के एक नए और रोमांचक दौर का आगाज है। अपने फ्रैंचाइजी नेटवर्क और काम करने के तरीके को मजबूत बनाकर हम देश के कोने-कोने तक हाई-क्वालिटी इंटीरियर पहुँचाने में सफल रहे हैं। 2026 में हमारा पूरा फोकस बड़े शहरों में अपनी पकड़ मजबूत करने और नए बाजारों में उतरने पर होगा। हम चाहते हैं कि घर बनवाना हर भारतीय के लिए एक आसान और सुखद अनुभव बने। हमें पूरा भरोसा है कि अपने पार्टनर्स और अपनी टेक्नोलॉजी के दम पर हम इस इंडस्ट्री में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाएंगे। साल 2025 में होमलेन ने अपनी मौजूदगी का दायरा बढ़ाते हुए 40 से ज्यादा शहरों में 55,000 से अधिक घरों को सजाया है। आज आलम यह है कि कंपनी हर दिन औसतन 30 घरों का इंटीरियर तैयार कर रही है। चाहे दिल्ली-मुंबई जैसे महानगर हों या जयपुर, कोच्चि और सिलीगुड़ी जैसे छोटे शहर, होमलेन अपनी अत्याधुनिक तकनीक और सटीक सप्लाई चेन के जरिए हर जगह एक जैसा शानदार काम दे रही है। 2025 में डिजाइनकैफे के अधिग्रहण ने होमलेन को मार्केट लीडर के रूप में स्थापित कर दिया है। कंपनी ने न केवल अपना नेटवर्क बढ़ाया, बल्कि अपने घाटे को भी 121.7 करोड़ से घटाकर 80 करोड़ रुपये पर समेट लिया है। एबिटा लॉस को -15% से कम करके -9.9% ले आई। 2024 में मिली 225 करोड़ की नई फंडिंग के साथ कंपनी अब 2026 में पूरे साल का मुनाफा कमाने के लिए तैयार है। साल 2026 के लिए होमलेन ने अपने फ्रैंचाइजी नेटवर्क को और भी सशक्त बनाने की रणनीति तैयार की है। कंपनी का विशेष ध्यान मुंबई और एनसीआर जैसे प्रमुख महानगरों के साथ-साथ उन टियर-2 और टियर-3 शहरों पर है, जहाँ विकास की अपार संभावनाएँ हैं। अपने 'एसेट-लाइट' फ्रैंचाइजी मॉडल और तकनीक पर आधारित कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत करते हुए, होमलेन ग्राहकों को समय पर और भरोसेमंद डिलीवरी का भरोसा दे रहा है। कंपनी का लक्ष्य हर घर तक प्रीमियम और ब्रांडेड इंटीरियर सॉल्यूशंस पहुँचाना है, और इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए होमलेन वित्त वर्ष 2026 में पूरे साल का शुद्ध मुनाफा कमाने की ओर अग्रसर है।

महायुति में सीट बटवारे पर बढ़ी टेंशन

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) (आरपीआई(ए)) के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मांगों की एक सूची सौंपी है, जिसमें सूची में उल्लिखित कुल 17 सीटों में से कम से कम 5-6 सीटें मांगी गई हैं। अठावले ने कहा कि आरपीआई(ए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और उन्होंने आरपीआई(ए) की शिकायतों का समाधान करने का प्रयास किया। हमने उन्हें 17 सीटों की सूची दी और उनसे कहा कि हमें उस सूची में से 5-6 सीटें मिलनी चाहिए।

अठावले ने आगे कहा कि एमएलसी की एक सीट के अनुरोध के साथ मांगों की एक सूची सौंपी गई है। इसके साथ ही, आरपीआई(ए) ने महाराष्ट्र राज्य निगमों में नियुक्तियां होने पर अध्यक्ष के दो पदों की मांग की है। इसके अलावा, आरपीआई(ए) ने आगामी जिला परिषद और पंचायत चुनावों में 50-60 सदस्यों की मांग की है, जिसमें प्रत्येक जिले में कुछ सीटें हों। उन्होंने बताया कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ बातचीत में काफी समय लग गया, जिसके कारण आरपीआई (ए) के साथ चर्चा में देरी हुई। हमने उन्हें अपनी मांगों की सूची सौंपी और एक एमएलसी सीट देने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के राज्य निगमों में नियुक्तियां होने पर हमें दो अध्यक्ष पद, एक या दो उपाध्यक्ष पद और 50-60 सदस्य मिलने चाहिए, और आगामी जिला परिषद और पंचायत चुनावों में हमें हर जिले में कुछ सीटें मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हमने उन्हें अपनी मांगों वाला पत्र सौंपा और उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि चुनाव के बाद नियुक्तियां होने पर आरपीआई (ए) पर उचित विचार किया जाएगा... मैं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी मिलने जा रहा हूं... आज की बैठक अच्छी रही... इससे पहले, अठावले ने बताया कि आरपीआई (ए) ने मुख्यमंत्री फडणवीस को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि 39 स्थानों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं और यदि मुख्यमंत्री किसी उम्मीदवार को हटने के लिए कहते हैं तो बैठक आवश्यक है।

भाजपा की तीन महिला प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीती

प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने दी विजयी प्रत्याशियों को आशीर्वाद

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का खाता खुल चुका है। भाजपा की तीन महिला प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत चुकी है। कल्याण पूर्व के प्रभाग क्रमांक 18-ए (ओबीसी महिला आरक्षित सीट) से भाजपा की रेखा राजन चौधरी का एकमात्र नामांकन पत्र दाखिल हुआ है। वहीं, डोंबिवली के प्रभाग क्रमांक 26-क से आसावरी केदार नवरे का भी एकमात्र नामांकन दाखिल होने के कारण ये दोनों महिला उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने दोनों विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी है।

दरअसल, कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) चुनाव में भाजपा को मतदान से पहले ही बड़ी राहत मिली है। 31 प्रभागों की कुल 122 सीटों के लिए 30 दिसंबर मंगलवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख थी। इस अवधि में प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी बड़ी संख्या में नामांकन दाखिल किए। हालांकि, कल्याण पूर्व के प्रभाग क्रमांक 18-ए (नागरिकों के पिछड़ा वर्ग महिला आरक्षित सीट) के लिए भाजपा की महिला जिला अध्यक्ष रेखा राजन चौधरी के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। इसलिए इस सीट पर उनका निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया है। इसी तरह, डोंबिवली पूर्व के प्रभाग क्रमांक 26-क से भाजपा की आसावरी केदार नवरे का भी एकमात्र नामांकन दाखिल हुआ है और वे भी निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। इसके साथ ही, भाजपा की रंजना पेडणेकर डोंबिवली के प्रभाग क्रमांक 26-बी से भी निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। इन तीन निर्विरोध जीतों के कारण भाजपा ने चुनाव से पहले ही केडीएमसी में अपना खाता खोल लिया है। अब तक केडीएमसी में भाजपा की तीन महिला उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचन से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और जश्न का माहौल है।

दो भाइयों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने दो भाइयों के खिलाफ एक महिला के साथ लगभग सात साल तक बलात्कार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय गृहिणी ने हाल में नयी दिल्ली में पुलिस से संपर्क किया, जहां जीरो एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद मामला भिवंडी क्षेत्र के भोईवाड़ा पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया गया।

जीरो एफआईआर एक ऐसी प्रथम सूचना रिपोर्ट है जिसे किसी भी पुलिस थाने में दर्ज कराया जा सकता है, भले ही अपराध उस थाने के अधिकार क्षेत्र में न हुआ हो। मामले के दस्तावेजों का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता, जो अब राष्ट्रीय राजधानी के नजफगढ़ में रहती है, को आरोपी सुदीप उपाध्याय 2018 में आगे की शिक्षा दिलाने के बहाने उसके गृहनगर से भिवंडी लाया था। उस समय वह 10वीं कक्षा में पढ़ रही थी।

अधिकारी ने बताया कि महिला के अनुसार उसके आने के बाद सुदीप अपने गांव चला गया। उस दौरान उसके भाई संदीप उपाध्याय ने कई बार उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि जब उसने सुदीप को उसके भाई के कृत्यों के बारे में बताया, तो उसने कथित तौर पर उससे शादी करने का वादा करके उसे चुप करा दिया।

अधिकारी ने बताया कि बाद में, सुदीप ने शिकायतकर्ता को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 2018 से अगस्त 2025 के बीच भिवंडी स्थित उनके आवास पर दोनों भाइयों ने उसे शारीरिक और मानसिक यातनाएं दीं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि पीड़िता नयी दिल्ली कैसे पहुंची या उसकी शादी कब हुई।

बोरीवली में समरस फाउंडेशन कैलेंडर 2026 का लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन के बोरीवली कार्यालय में आज 2026 के कैलेंडर का लोकार्पण किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ किशोर सिंह ने नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के लिए नया वर्ष सुखमय और समृद्धिशाली हो। इस अवसर पर संस्था के महासचिव शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव,लल्लन सिंह, कपिल देव शर्मा, एड भारत पांडे, सुरेंद्र पांडे, अशोक सिंह,राम सिंह ,रामराज पाल, एड प्रशांत परदेसी, डॉ त्रैलोक्यमणि त्रिपाठी, पूरव गांधी, रामकृपाल शर्मा, दशरथ शर्मा, निमेष शाह, संतोष पांडे, शैलेंद्र मौर्य, राम मिश्रा,बबलू तिवारी,भगवती कुर्मी, लालचंद गुप्ता, रवि यादव, पंडित जीडी शुक्ला समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

मनपा द्वारा मतदान जनजागरूकता के लिए पथनाट्य व आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा रैली का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा द्वारा मतदाताओं को जागरुक करने के लिये भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर मनपा शाला के विद्यार्थियों, आशा वर्कर्स, आगनवाडी सेविका, पथनाट्य द्वारा जगह-जगह मतदान के लिये जागरूकता अभियान चला रहे हैं। बतादें कि लोकतंत्र का सबसे पवित्र अधिकार अर्थात मतदान, चुनाव में प्रत्येक नागरिक का अपने मताधिकार का उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है इसी उद्देश्य को लेकर चुनाव आयोग की ओर से भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में मतदाताओं के बीच व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। भिवंडी पालिका सार्विक चुनाव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं आयुक्त अनमोल सागर की उपस्थिति में व्हाळ देवी तलाव, कामतघर रोड परिसर में प्रभावशाली पथनाट्य का मंचन किया गया। इस पथनाट्य के माध्यम से मतदान के महत्व, निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र को मजबूत करने का संदेश नागरिकों तक पहुँचाया गया। इसके साथ ही आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं आशा वर्कर्स की जनजागरूकता रैली का शुभारंभ भी आयुक्त अनमोल सागर के शुभहस्ते किया गया। रैली के माध्यम से मतदान हमारा अधिकार है, लोकतंत्र को मजबूत बनाएं-मतदान जरूर करें जैसे नारों से पूरे परिसर में जनचेतना का वातावरण बना। रैली से पूर्व आयुक्त अनमोल सागर ने उपस्थित सभी नागरिकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं और आशा वर्कर्स को अपने पवित्र मतदान अधिकार का अवश्य उपयोग करने की शपथ दिलाई।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान है और प्रत्येक मतदाता की सहभागिता से ही स्वच्छ व पारदर्शी चुनाव संभव है। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा वर्कर महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम को नागरिकों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला और मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में यह आयोजन सफल सिद्ध हुआ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भिवंडी महानगरपालिका द्वारा स्वागत कर दी गयी विदाई

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका की सेवा से नियत वयोमान के अनुसार 5 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर महानगरपालिका प्रशासन की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन कर विदाई दी गयी। बतादें कि यह कार्यक्रम महानगरपालिका प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार संपन्न किया गया। इस अवसर पर महानगरपालिका के सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) शैलेश दोंदे के हाथों से सेवानिवृत्त/स्वैच्छिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर यथोचित सम्मान किया गया तथा उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। मनपा की नई प्रशासनिक इमारत के तीसरे मंज़िल स्थित कान्फ्रेंस हाल में आयोजित इस विदाई समारोह में 5 कर्मचारियों को मनपा की तरफ से सम्मानित कर विदाई दी गयी जिसमें शाहीरा सुदर्शन (लिपिक) बांधकाम विभाग, भरत बालकृष्ण नाटेकर (वाहन चालक), बालू नामपेल्ली बिदुल (सफाई कर्मचारी), मुकेश बलवंत सुळे (हेल्पर), निरा नरेंद्र चव्हाण (सफाई कर्मचारी) आदि लोगों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वाहन विभाग के शेखर चौधरी सहित मनपा के अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त/स्वैच्छिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।

तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता व विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम संपन्न

आनंद मेले में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी पाक-कला

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर पूर्व धनानीनगर स्थित आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल सेमी अंग्रेजी /हिन्दी माध्यम परिसर में तीन दिवसीय खेल व विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता का कार्यक्रम का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया। बाल वैज्ञानिक विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये विज्ञान माडल व विविध कला क्रीड़ा प्रतियोगिता में उत्साहपूर्ण सहभाग के बीच वार्षिक आयोजन सम्पन्न हुआ।

28 दिसम्बर से शुरू होकर 30 दिसम्बर तक चले तीन दिवसीय खेल-विज्ञान प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार विद्यार्थियों को प्राथमिक , उच्च प्राथमिक, व माध्यमिक विभाग में बाँट कर दौड़, बैलेंस गेम,कबड्डी, इन- आउटप ,काव्य गायन सहित अन्य खेल खिलाये गये। प्रतियोगियों द्वारा प्रस्तुत खेल से साथी खिलाड़ी के साथ प्रेम व सौहार्द पूर्ण व्यवहार करने का संदेश दिया गया ।

कार्यक्रम में विद्यालय के मुख्याध्यापक हरिओम शरण मिश्र सहित सभी शिक्षक, शिक्षिका सहायक कर्मचारी व पालकों सहित स्थानीय लोग उपस्थित रह कर विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते आनंद मेले का आनंद लिया। खेल प्रतियोगिता का कुशल संचालन और निर्णय सहायक शिक्षक मनोज पाल,शिव प्रताप मिश्र, शिक्षिका जयाबालू लामखडे ,प्रिंस त्रिपाठी, पूनम त्रिपाठी, ओमप्रकाश तिवारी ने किया।

इस मौके पर उपस्थित विशिष्ट लोगों ने विद्यार्थियों को मोबाइल से दूर मैदानी खेल खेलने के लिए संदेश देते हुए कहा कि सफल जीवन के लिए खेल को अनिवार्य रूप से खेलने और जीवन की सभी चुनौतियों को स्वीकार करने की जरूरत है । पारंपरिक शिक्षा के साथ खेलकूद भी आज जरूरी है खेल के क्षेत्र में बढ़ते अवसर रोजगार के लिए भी परिणाम कारी है ।विद्यालय परिसर में 31दिसंबर को नवीन कैलेंडर वर्ष के स्वागत में आनंद मेले का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी पाक कला का प्रदर्शन करते हुए विविध खाद्य पदार्थों को प्रत्यक्षरूप से क्रय विक्रय कर व्यावहारिक और व्यावसायिक अनुभव प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम उत्साह पूर्ण माहौल के बीच सम्पन्न हुआ ।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ पूजन, हवन व भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में सैनी होटल के सामने आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ बुधवार 31 दिसंबर 2025 को विधिवत पूजन, हवन एवं महाप्रसाद रूपी भंडारे के साथ संपन्न हो गया।

श्रीहरि दिव्य भागवतम्-सेवा संस्था के अध्यक्ष धर्मेंद्र मौर्या के नेतृत्व में यह आयोजन 24 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 तक चला। कथा के दौरान वृंदावन से पधारी पूज्यनीय कथावाचिका कात्यायनी दीदी ने अपने ओजस्वी वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा ज्ञान यज्ञ में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कथा श्रवण किया और पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की पूर्णाहुति पर पूजन, हवन एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मुख्य यजमान अमित मिश्रा, संस्था अध्यक्ष धर्मेंद्र मौर्या, राकेश राय, पिंटू शर्मा, विष्णु मौर्या, कमलेश मौर्या, जितेंद्र दुबे, राकेश तिवारी, वीरेंद्र मौर्या सहित हवन यज्ञ संपन्न कराने वाले पंडित गोलू मिश्रा का विशेष सहयोग रहा।

वेढी में श्वान नसबंदी व रेबीज टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन

पालघर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत वेढी में जिला परिषद पालघर, पशुसंवर्धन विभाग तथा जेनिस स्मिथ एनिमल वेल्फेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में श्वान नसबंदी (नसबंदी) एवं रेबीज टीकाकरण केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस केंद्र का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे तथा जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत वेढी के प्रतिनिधि नचिकेत पाटील, अभिजीत पाटील, छोडू बगूल, साथ ही ग्राम पंचायत सफाले, नगावे, विराथन खुर्द और माकुणसार के सरपंच, जेनिस स्मिथ एनिमल वेल्फेयर ट्रस्ट के विशेषज्ञ पशु चिकित्सक, जिला परिषद पालघर के डॉ. राहुल संखे (पशुधन विकास अधिकारी, पंचायत समिति पालघर) तथा डॉ. श्रद्धा मांढरे (पशु चिकित्सा अधिकारी, आगरवाडी) उपस्थित रहे।

इस केंद्र के माध्यम से संबंधित ग्राम पंचायतों तथा आसपास के गांवों में रहने वाले आवारा श्वानों का संकलन, वैज्ञानिक पद्धति से नसबंदी, रेबीज टीकाकरण तथा शल्यक्रिया के बाद की देखभाल प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा की जायेगी। उपचार पूर्ण होने के बाद श्वानों को सुरक्षित रूप से उनके मूल क्षेत्र में छोड़ा जायेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने संबोधन में कहा कि आवारा श्वानों की अनियंत्रित बढ़ती संख्या, नागरिकों को हो रही परेशानियों और रेबीज के खतरे को देखते हुए ऐसे केंद्रों की अत्यंत आवश्यकता है। केंद्र आधारित इस पहल से जिले में आवारा श्वानों की संख्या नियंत्रित होगी और नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण निर्मित होगा। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से की जा रही श्वान नसबंदी दीर्घकालीन समाधान साबित होगी। श्वानों की उचित देखभाल, उपचार, रेबीज टीकाकरण और सुरक्षित पुनर्वास से नागरिकों की सुरक्षा को सीधा लाभ मिलेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

निमंत्रण से लौट रहे युवक की गोली मारकर हत्या से सनसनी

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र में एक बार फिर सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। बबुरा गांव में अज्ञात बदमाशों ने युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार स्वाधीन सिंह उर्फ छोटू (पुत्र विजय कुमार उर्फ विज्जू सिंह) मंगलवार देर शाम लगभग आठ बजे किसी निमंत्रण कार्यक्रम से घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घात लगाए अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल छोटू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हमलावर घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही बदलापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया है, आसपास के लोगों से पूछताछ कर हमलावरों की पहचान में जुट गई है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस हत्याकांड ने एक पुरानी और दर्दनाक घटना की याद भी ताजा कर दी है। करीब 24 वर्ष पूर्व मृतक के पिता विजय कुमार उर्फ विज्जू सिंह की भी बदलापुर स्थित मिठाई की दुकान पर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ऐसे में पुलिस पुराने रंजिश के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। फिलहाल गांव में तनाव का माहौल है और एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

2026 में साइबर अपराधियों से केवल 'जीरो ट्रस्ट' ही करेगा सुरक्षा: डॉ.दिग्विजय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा है कि वर्ष 2026 साइबर सुरक्षा की दृष्टि से एक ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण वर्ष साबित होने वाला है। नए साल में साइबर अपराधियों से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए आमजन को मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार होना होगा।

डॉ. राठौर ने बताया कि साइबर दुनिया में 'जीरो ट्रस्ट मॉडल' अपनाए बिना अब सुरक्षा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आभासी दुनिया में किसी भी व्यक्ति, कॉल, लिंक या संदेश पर बिना सत्यापन के विश्वास करना सबसे बड़ी भूल है। जब तक लोग डिजिटल संदेशों पर अंधविश्वास करना बंद नहीं करेंगे, तब तक साइबर अपराधों से पूरी तरह बचाव संभव नहीं है।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी डर और विश्वास इन दो भावनाओं को हथियार बनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। 'साइबर अरेस्ट' जैसे नए-नए तरीके इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिनके माध्यम से लोग भय के कारण तुरंत अपराधियों के जाल में फँस जाते हैं।

डॉ. राठौर ने बताया कि आज के साइबर अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे वे बड़ी आसानी से लोगों का विश्वास जीत लेते हैं। 2026 में ए आई का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर साइबर अपराध कर सकते हैं। ओटीपी मांगना पुराना पैटर्न हो चुका है और नए पैटर्न में मोबाइल हैक कर ओटीपी अपने आप हासिल कर ले रहे।ऐसे में केवल सतर्कता ही नहीं, बल्कि तकनीकी समझ और निरंतर जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से लड़ाई केवल तकनीक या केवल जागरूकता से नहीं, बल्कि दोनों के समन्वय से ही जीती जा सकती है। समय की माँग है कि प्रत्येक नागरिक 'पहले सत्यापन, फिर विश्वास' की नीति अपनाए।

साइबर सुरक्षा के लिए कुछ सावधानियां: अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल को लॉक करके रखें। ईमेल का पासवर्ड मजबूत बनाएं और समय-समय पर बदलें। मोबाइल पर आने वाले किसी भी संदेश को ध्यान से पढ़ें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। कोई फोन करके ओटीपी मांगे तो कभी न दें। एपीके फाइल डाउनलोड न करें।

अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल कभी रिसीव न करें। सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। अपने व्हाट्सएप की प्रोफाइल फोटो केवल अपनों तक सीमित रखें।अपना फोन नंबर और ईमेल आईडी सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदर्शित न करें।

अपनी गतिविधियां तुरंत सोशल मीडिया पर साझा न करें। मोबाइल और कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर जरूर रखें। साइबर कैफे के कंप्यूटर पर अपनी क्रेडिट डेबिट कार्ड से पेमेंट ना करें। ट्रूकॉलर जैसे ऐप अपने मोबाइल में इंस्टॉल करके रखें आने वाले कॉल से एक स्तर तक बचाव होता है। दूसरे के मोबाइल में अपनी ईमेल आईडी लॉगिन ना करें।

व्यस्त बाजार में गंदगी का अंबार, नगर पालिका की अनदेखी से लोग परेशान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर पड़ाव, शहर के सबसे व्यस्ततम इलाकों में शुमार बदलापुर पड़ाव पुलिस बूथ के पास इन दिनों गंदगी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नगर पालिका परिषद का सफाई व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं है, जिसके चलते बाजार में आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इलाके में सफाई कर्मी तीन से चार दिन में एक बार ही कूड़ा उठाने पहुंचते हैं। जिससे सड़कों पर कचरे का ढेर लगा रहता है। बदबू और गंदगी के कारण दुकानदारों के साथ-साथ ग्राहकों को भी दिक्कत हो रही है। यही नहीं, गंदगी से बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अगर नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा मनोरमा मौर्या और अधिशासी अभियंता पवन कुमार स्वयं मौके पर आकर स्थिति देखें और सफाई कर्मियों पर सख्ती बरतें, तो हालात में सुधार हो सकता है। लोगों का साफ कहना है कि किसी भी शहर की सुंदरता सिर्फ ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि साफ-सफाई से पहचानी जाती है। लेकिन बदलापुर पड़ाव जैसे व्यस्त बाजार में फैली गंदगी नगर की छवि को धूमिल कर रही है। अब सवाल यह है कि नगर पालिका परिषद कब नींद से जागेगी और शहर के इस प्रमुख बाजार को गंदगी से मुक्त कराएगी, क्षेत्रवासियों को जल्द ठोस कार्रवाई की उम्मीद है।

अटल आवासीय विद्यालय करसड़ा, वाराणसी में कक्षा–06 व 09 में प्रवेश प्रारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहायक श्रमायुक्त, देवब्रत यादव ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, वाराणसी, के शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, एवं राज्याश्रित श्रेणी से संबंधित अभ्यर्थी वह बच्चे जो कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिये पात्र बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़े जाने हेतु कक्षा- 06 में उपलब्ध कुल 160 सीट (80 बालक एवं 80 बालिकायें) व कक्षा-09 में उपलब्ध कुल 64 सीट (33 बालक एवं 31 बालिकायें) के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है।

प्रवेश परीक्षा की तिथि 15 फरवरी 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निर्धारित है। आवेदन पत्र ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से दिनांक 01 जनवरी 2026 से अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2026 सायं 5.00 बजे तक जमा किये जा सकते है।

दिनांक 30 नवम्बर 2025 को कम से कम 03 वर्ष बोर्ड की सदस्यता/पंजीकरण अवधि पूर्ण कर चुके अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिकों के अधिकतम दो बच्चे, कोविड-19 से अनाथ हुए बच्चे जिनका महिला एवं बाल कल्याण विभाग में पंजीयन हो अथवा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) हेतु पात्र बच्चे, प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने/आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। कक्षा-06 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 मई 2014 से 31 जूलाई 2016 के मध्य तथा कक्षा-09 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 मई 2011 से 31 जूलाई 2013 के मध्य होना आवश्यक है। ऑनलाइन आवेदन हेतु उम्मीदवार अटल आवासीय विद्यालय समिति एवं बोर्ड की बेवसाइट के माध्यम से ऑनलाइन कर सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन पत्र किसी भी सामान्य कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक दिनांक 01 जनवरी 2026 से निःशुल्क कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर से प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र कार्यालय में दिनांक 31 जनवरी 2026 तक जमा किये जा सकते हैं।

आवेदन हेतु निम्नलिखित अभिलेख आवश्यक होंगे :- निर्माण श्रमिक होने की दशा में अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिक कार्ड। राज्याश्रित होने की दशा में माता व पिता का मृत्यु प्रमाण-पत्र, अभ्यर्थी के जन्म प्रमाण पत्र की प्रति, अभ्यर्थी के आधार कार्ड की प्रति, .अभ्यर्थी (छात्र/छात्रा) का पेन न0 (डी०२छ्ल्ल' एड्ढिड्डल्ल ठ्ढ्ढ०१ (डप्ठ) जाति प्रमाण पत्र की प्रति, तीन पासपोर्ट साइज की अद्यतन फोटो।

कक्षा-06 की प्रवेश परीक्षा में मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण, भाषा परीक्षण के 100 अंक के 80 प्रश्न एवं कक्षा-09 हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, विज्ञान के 100 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें उच्च प्राप्तांकों के अनुसार चयन मेरिट के आधार पर होगा। सभी वर्गों के लिये आरक्षण नियमानुसार लागू होगा। प्रवेश से संबंधित किसी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए कार्यालय के फोन नंबर-05452-316105 पर एवं कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

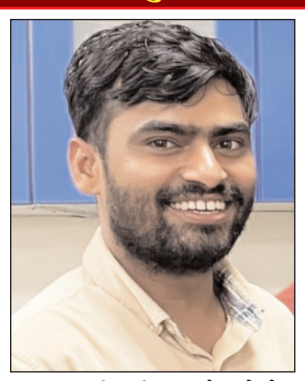

जौनपुर के होनहार विमलेश यादव को एक साथ चार प्रतिष्ठित नौकरियों का ऑफर

परिवार में खुशी की लहर

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिभा और परिश्रम की मिसाल बने जौनपुर जिले के खुटहन क्षेत्र के होनहार युवक विमलेश यादव ने बड़ी सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विमलेश को एक साथ चार प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों में नौकरी का ऑफर मिला है, जिससे परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।

स्थानीय निवासी विमलेश यादव, पुत्र राज बहादुर यादव, का चयन रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड (RFCL) में जूनियर इंजीनियर पद पर हुआ है। इसके अलावा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC), मुंबई में भी जेई पद पर उनका चयन हुआ है। वहीं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) और एक अन्य प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था में भी उन्हें नौकरी का ऑफर प्राप्त हुआ है।

इतना ही नहीं, विमलेश ने गेट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 507वीं रैंक हासिल की है, जो उनकी कड़ी मेहनत और लगन को दर्शाता है।

परिजनों ने बताया कि विमलेश बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं और उन्हें शुरू से ही तकनीकी शिक्षा में गहरी रुचि थी। उनके बड़े भाई अखिलेश यादव, जो आईआईटी खड़गपुर से एमटेक हैं, वर्ष 2016 से आईआईटी की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। वहीं दूसरे बड़े भाई राकेश यादव जौनपुर दीवानी कचहरी में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं।

विमलेश की इस ऐतिहासिक सफलता से घर-परिवार में उत्सव का माहौल है। साथ ही क्षेत्र के लोग उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। आसपास के इलाकों में उनकी सफलता की चर्चा जोरों पर है।

फिटनेस सेंटरों पर धांधली बंद हो: दिनेश टंडन

वाहन के निजी फिटनेस सेंटरों पर हो रही धाधली को लेकर व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में और प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा के आह्वान पर प्रदेश के सभी मुख्यालय पर आज ज्ञापन देकर उपयुक्त समस्या और परेशानी को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करें जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित एसडीएम सूर्य प्रताप जी को ज्ञापन देते हुए कहा कि इसे आज ही मुख्यमंत्री को भेजने का कष्ट करें।

पत्रकार बंधुओ से बातचीत में जिलाध्यक्ष ने बताया कि वाहन के निजी फिटनेस सेंटर पर हो रही धाधली के संदर्भ में आज ज्ञापन दिया जा रहा है। हाल ही में मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे द्वारा या निर्देश जारी कर दिया गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन-तीन फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे। यह पहल सराहनीय है जिससे पारदर्शिता,प्रतिस्पर्धा और सेवा में सुधार आने की संभावना है, किंतु वर्तमान में अधिकांश जिले में केवल एक ही फिटनेस सेंटर संचालित हो रहे हैं। वाहन स्वामियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकमात्र फिटनेस सेंटर होने से वाहन स्वामियों से अनावश्यक शुल्क की मांग की जा रही है जो कि भ्रष्टाचार को कहीं ना कहीं बढ़ावा देता है।

प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को बताया कि उपयुक्त समस्या गंभीर समस्या है व्यापार मंडल को उम्मीद है। मुख्यमंत्री जल्द से जल्द इस पर उचित निर्णय लेंगे ताकि जनता में भ्रष्टाचार मुक्त समाज की रचना हो सके, प्रतिनिधि मंडल में जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल गुप्ता, युवा जिलाध्यक्ष संतोष अग्रहरि फामेर्सी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष साहू, नगर महामंत्री मनोज कुमार साहू, शिवम बरनवाल, विमल भोजवाल, विजय गुप्ता, राम कुमार साहू, अनिल वर्मा, संजय केडिया, मुन्नालाल अग्रहरि आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे उपस्थित पदाधिकारी का आभार नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष साहू ने व्यक्त किया।

सोच से ही सफलता प्राप्त होती है: खुशब यादव

नव वर्ष की पूर्व संध्या सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा के दहीरपुर नाला स्थित सोशल स्टडी प्वाइंट संस्थान में नव की पूर्व संध्या सम्मान समारोह का आयोजन कर छात्रो को सम्मानित किया गया। सोशल स्टडी प्वाइंट संस्थान पर आयोजित नव वर्ष पूर्व सम्मान समारोह में खुशबू यादव, पारो यादव, अंकित सेन ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। खुशबू यादव जी ने लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा की सोच से सफलता प्राप्त कर सकते है और शिक्षा से हम दुनियाभर की समस्यायों से निजात पा सकते है इसके लिए हमें लक्ष्य बद्ध तरीके से ज्ञान अर्जित करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित अंकित सेन जी ने कहा जीवन में लक्ष्य का निर्धारण बहुत जरूरी है क्यूंकि सफल व्यक्ति की पहचान लक्ष्य निर्धारण से होती है। इसलिए इस नव वर्ष अपने लक्ष्य को जरूर तय करे और आगे बढ़े कार्यक्रम के अगली कडी में पारो यादव जी ने कहा कि आप सभी लोग पॉजिटिव रहे अपने विचार को हमेशा पॉजिटिव रखे। लोग आप पर ब्यंग्य बोले तो उसे इग्नोर कर आगे बढ़े। पूर्व में आयोजित आर्ट रंगोली और प्रेजेंटेशन वर्कशॉप को लीड करने वाले सभी लीडर छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रबंधक रामसागर विश्वकर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ' कहा कि इस नव वर्ष की पूर्व संध्या पर आज आप सबके उपस्थिति से यह सफल कार्यक्रम का आयोजन हो पाया हम सबको एकजुट होकर निरंतर एक बेहतरीन राष्ट्र के निर्माण में योगदान करना चाहिए क्योंकि प्रतिभा तब निखरती है जब अवसर मिलता है और जब अवसर मिले तो अपने आप को प्रेजेंट करे। कार्यक्रम का संचालन अंकित सेन जी ने गर्मजोशी के साथ किया इस दौरान सुजीत,विशाल, अंतिमा, रानी, हिमांशु, राजन, अमन, ललिता, प्रतिभा, महिमा, वंदना, नीलम, पूनम, हर्षित, सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोकबंधु राजनरायन जी का जीवन गरीबों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार आज 31 दिसंबर 2025 दिन बुधवार को समाजवादी पार्टी के सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज स्थित जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजवादी आंदोलन के प्रतीक, गरीबों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित लोकबंधु राज नारायण जी की पुण्यतिथि सादगी पूर्ण वातावरण में मनाई गई।

सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने लोकबंधु राज नारायण जी के चित्र पर पुष्प अर्पित का नमन किया। जिला महासचिव आरिफ हबीब ने गोष्ठी आयोजित कर उनके भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनो एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित जीवन दर्शन पर चर्चा कराते हुए विचार विमर्श कर उनके पदचिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ राममनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्रदेव जी के पदचिन्हों पर चलकर लोकबंधु राजनरायन जी ने सदैव स्वतंत्रता आंदोलनों से लेकर, शोषितों, गरीबों की मजबूत आवाज बने और लोकतंत्र व समाजवाद के प्रतीक बने। उनका पूरा जीवन गरीबों, शोषितों और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित रहा।

आज फिर उनके रास्ते पर चलने का पुनः संकल्प लेते हुए 2027 में समाजवादी सरकार बनाकर उनके आदर्शों पर चलकर लोक कल्याणकारी कार्य किए जाने का संकल्प लेते हैं। गोष्ठी को वरिष्ठ नेता प्रभानंद यादव ने भी संबोधित किया।

गोष्ठी में मुख्य रूप से ज़िला उपाध्यक्ष गण हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र प्रताप यादव नेपाल, गामा सोनकर, निजामुद्दीन अंसारी, अशोक निषाद, गुड्डू सोनकर, संदीप यदुवंशी, दीपक विश्वकर्मा धीरज बिंद, सुनील वासुदेव यादव, सेराज दरोगा, महताब सिद्दीकी, हरिश्चंद प्रभाकर, केशजीत बिंद, जे पी यादव एडवोकेट सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

एडीओ (आरडी) प्रदीप कुमार श्रीवास्तव का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्सा में तैनात एडीओ (आरडी) प्रदीप कुमार श्रीवास्तव का मंगलवार को गोरखपुर में हृदयगति रुकने से हुआ आकस्मिक निधन। उनके निधन की सूचना मिलते ही जनपद के समस्त विकास खंडों में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार स्थानीय रामघाट पर किया गया, जहाँ उनके सुपुत्र नचिकेत श्रीवास्तव ने उन्हें मुखाग्नि दी। वे अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। दिवंगत अधिकारी के सम्मान में जनपद के सभी ब्लॉकों में शोक सभाएँ आयोजित की गईं, जहाँ दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम जितेंद्र सिंह, खंड विकास अधिकारी अस्मिता सेन, कृष्ण मोहन यादव, रामविलास, संयुक्त राज्य कर्मचारी परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. फूलचंद्र कन्नौजिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, मंत्री रामकृष्ण पाल, एडीओ ग्राम्य विकास विनोद सहाय श्रीवास्तव, के.के. मिश्रा, अरुण यादव, विकास भवन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुजीत सिंह और राजीव रोशन सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारियों ने दिवंगत श्रीवास्तव को कर्मनिष्ठ, मिलनसार और जुझारू अधिकारी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोंधी ब्लॉक में शोक सभा, एडीओ प्रदीप श्रीवास्तव के निधन पर जताया गया शोक

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड शाहगंज के सोंधी ब्लॉक परिसर में बुधवार को सहायक विकास अधिकारी (ग्राम विकास) प्रदीप कुमार श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा का नेतृत्व सहायक विकास अधिकारी शाहगंज सोंधी प्रमोद सिंह ने किया। इस दौरान बक्शा ब्लॉक में तैनात एडीओ (ग्राम विकास) प्रदीप कुमार श्रीवास्तव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। जानकारी के अनुसार 53 वर्षीय प्रदीप श्रीवास्तव की अचानक तबीयत खराब होने पर उन्हें गोरखपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उनका निधन हो गया। वे मूल रूप से कांसीराम भवन, हुसैनाबाद, जौनपुर के निवासी थे। बुधवार को रामघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। शोक सभा का संचालन कर रहे एडीओ पंचायत दीपक यादव ने कहा कि एक कर्मठ और मिलनसार सहकर्मी के निधन से विभाग को अपूरणीय क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इसके बाद उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक सभा में संदीप द्विवेदी, सचिव विनोद यादव, जाहिद अली, विजय गौड़, शेखर यादव, संतोष यादव, सुनीता, फिरदौस, रविन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

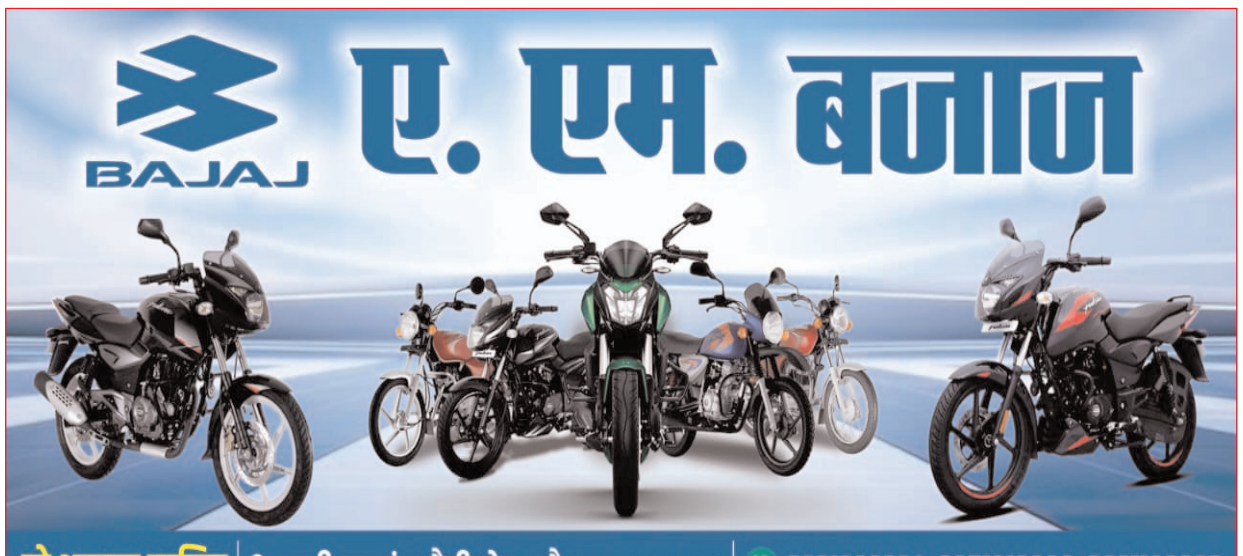

खतौनी दफ्तर में वरिष्ठ अधिवक्ता से संविदा कर्मी का दुर्व्यवहार, तहसील में हंगामा

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मुख्यालय स्थित खतौनी दफ्तर में बुधवार दोपहर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक वरिष्ठ अधिवक्ता से संविदा कर्मी द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया। घटना दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है, जिसने देखते ही देखते पूरे तहसील परिसर का माहौल गरमा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष सिंह, यूनियन बैंक के विधिक सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। वे खतौनी दफ्तर में बैंक संबंधी कार्य के लिए करीब 50 खतौनियों की प्रति निकलवा रहे थे। नियमानुसार प्रति खतौनी 15 रुपये शुल्क निर्धारित है। इसी क्रम में अधिवक्ता ने 50 खतौनियों के लिए कुल 500 रुपये शुल्क के रूप में जमा किए। आरोप है कि कुछ खतौनियां निकलने के बाद दफ्तर में कार्यरत संविदा/प्राइवेट कर्मी विकास गिरी ने अतिरिक्त धनराशि की मांग शुरू कर दी। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने नियमानुसार कार्य पूर्ण करने के बाद शेष धन देने की बात कही। इसी बात को लेकर विकास गिरी ने कथित तौर पर कड़े और आपत्तिजनक लहजे में बात करते हुए तू-तू, मैं-मैं शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की भीड़ एकत्र हो गई, वहीं तहसील के कर्मचारी भी आमने-सामने आ गए। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार हुसैन अहमद ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को समझाया और मामला शांत कराया। घटना के बाद बार और बेंच के बीच इस मामले को लेकर दिनभर चचाओं का बाजार गर्म रहा। अधिवक्ताओं का कहना है कि सरकार द्वारा खतौनी की प्रति का शुल्क 15 रुपये निर्धारित है, लेकिन तहसील में तैनात प्राइवेट कर्मी द्वारा आये दिन प्रति खतौनी 20 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है, जो नियमों के विपरीत है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला और तूल पकड़ता जा रहा है। अधिवक्ताओं ने पूरे प्रकरण की जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अंतिम गेंद पर लिखा गया इतिहास, पराड़कर एकादश चैंपियन

संतोष यादव की 94 रनों की तूफानी पारी, फाइनल में हृदय प्रकाश एकादश को तीन विकेट से हराया

-सुरेश गांधी

वाराणसी। डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिगरा की पिच पर जब आखिरी गेंद फेंकी गई और कवर के ऊपर से गेंद सीमा रेखा पार कर गई, तो सिर्फ एक मैच नहीं जीता गया– बल्कि रोमांच, धैर्य और जज्बे की एक यादगार दास्तान लिखी गई। सांसें थाम देने वाले इस महामुकाबले में पराड़कर एकादश ने 38वीं कनिष्क देव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब के बैनर तले आयोजित आनंद चंदोला खेल महोत्सव के प्रथम चरण के अंतिम दिन, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हृदय प्रकाश एकादश ने रनों का पहाड़ खड़ा किया। 20 ओवर में चार विकेट पर 192 रन–मानो स्कोरबोर्ड पर आतिशबाजी छूट रही हो। अमित मिश्रा (47), इरफान (42), सोनू (41) और विजय (40) की पारियां किसी सधे हुए ऑर्केस्ट्रा की तरह एक-दूसरे से जुड़ी रहीं। गेंदबाजी में पराड़कर एकादश की ओर से सागर यादव ने दो विकेट लेकर प्रतिरोध किया।

लेकिन असली कहानी तो रनचेज में लिखी जानी थी। लक्ष्य बड़ा था, दबाव उससे भी बड़ा। ऐसे में क्रीज पर उतरे संतोष यादव–और फिर जो हुआ, वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए कविता बन गया। 50 गेंदों पर 13 चौकों और एक गगनचुंबी छक्के से सजे 94 रन, कवर-प्वाइंट के बीच नफासत, मिड विकेट पर ताकत और फाइन लेग पर टाइमिंग का अद्भुत संगम। मिड विकेट में जड़ा गया उनका छक्का देर तक दर्शकों की स्मृति में गूंजता रहेगा।

और जब जीत के लिए आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे, तब संतोष ने कवर की दिशा में गेंद को भेजकर पराड़कर एकादश को चैंपियन बना दिया। प्रशांत मोहन के अहम 31 रन भी इस जीत की मजबूत कड़ी बने। हृदय प्रकाश एकादश की ओर से पुरुषोत्तम ने तीन विकेट लिए, जबकि इरफान और सोनू को एक-एक सफलता मिली। पुरुषोत्तम चतुर्वेदी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, प्रशांत मोहन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और सोनू सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। मैच के बाद नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल (मुख्य अतिथि) और प्रमुख उद्योगपति मयंक अग्रवाल (विशिष्ट अतिथि) ने विजेता-उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में वाराणसी प्रेस क्लब और काशी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों, वरिष्ठ पत्रकारों और खिलाड़ियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह फाइनल सिर्फ एक जीत नहीं था–यह क्रिकेट की उस आत्मा का उत्सव था, जहां आखिरी गेंद तक उम्मीद ज़िंदा रहती है और एक शॉट इतिहास बन जाता है।

राहगीरों को ठंड से मिलेगी राहत

सीवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र में शीतलहर का असर बढ़ गया है। नगर पंचायत ने अलाव जलाने की व्यवस्था की है। हालांकि, कई ग्रामीण इलाकों में अभी भी पंचायतों द्वारा व्यवस्था नहीं है। जिससे जिससे ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों को परेशानी हो रही है शीतलहर के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। खासकर बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि ठंड बढ़ने के साथ ही सर्दी, खांसी और बुखार के मरीज बढ़ रहे है।

काली मंदिर में भीषण आग, पुजारी ने बताया साजिश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ क्षेत्र स्थित आशापूर्ण काली माता मंदिर में बीती रात भीषण आग लग गई, जिससे मंदिर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग में सैकड़ों साल पुराना बरगद का पेड़, हजारों नारियल और पूजा सामग्री भी जल गई। पुजारी ने इसे साजिश बताते हुए आस्था पर हमला करार दिया है दमकल ने आग पर काबू पाया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की बात कही है।

अधिवक्ता संघ के 5 महत्वपूर्ण पदों पर मुकाबला होना तय

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ता संघ के चुनाव में नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद अब संघ के 5 पदों पर मुकाबला होना तय है। अधिवक्ता संघ के मुख्य चुनाव अधिकारी और एल्डर्स कमेटी के सदस्य दिनेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र श्रीवास्तव और बाबू राम एडवोकेट के बीच और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अवनीन्द्र दुबे और रमेश प्रताप सिंह के बीच सीधी लड़ाई होनी निश्चित है जबकि महामंत्री पद के लिए 5 प्रत्याशीओं के मैदान में आ जाने से मुकाबला रोचक बन गया है। महामंत्री पद के लिए आलोक विश्वकर्मा, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, संजय सरोज, सुभाष चंद्र मौर्य और बृजेश यादव के बीच मुकाबला होगा। वहीं उपाध्यक्ष (दस वर्ष से कम) के पद पर कृष्ण कुमार गौतम, प्रेमचंद यादव और विनय मौर्य के बीच संघर्ष होगा। साथ ही उपाध्यक्ष (10 वर्ष से अधिक) कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रशासन, संयुक्त सचिव पुस्तकालय, संयुक्त सचिव प्रकाशन, आय व्यय निरीक्षक और कार्यकारिणी के सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इस अवसर पर एल्डर्स कमेटी के अन्य सदस्यों में अशोक श्रीवास्तव, ब्रह्मदेव शुक्ला, यज्ञ नारायण सिंह, दयानाथ पटेल भी मौजूद रहे।

कौड़ी माता मंदिर में फिर चोरी, एक माह में दूसरी वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र के दुर्गाकुंड पुलिस चौकी से महज 300 मीटर की दूरी पर स्थित कौड़ी माता मंदिर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीते एक माह के भीतर मंदिर परिसर में दो बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया, लेकिन दोनों घटनाएं सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बावजूद अब तक चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। मंदिर के पुजारी के अनुसार, पहली चोरी की घटना 25 दिसंबर को सामने आई थी। इस घटना के बाद मंदिर प्रशासन और स्थानीय लोगों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन इसके बावजूद चोरों के हौसले कम नहीं हुए। दूसरी वारदात 30 दिसंबर की देर रात करीब 3:15 से 3:30 बजे के बीच हुई, जब अज्ञात चोर ने एक बार फिर मंदिर परिसर को निशाना बनाया। बताया गया कि चोर ने सबसे पहले मंदिर में रखी दानपेटी को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर उसने मंदिर परिसर में स्थित पूजन सामग्री की दुकान का ताला तोड़ दिया। दुकान से चोर करीब 1 लाख 50 हजार रुपये नकद और बड़ी मात्रा में पीतल के सामान चोरी कर ले गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि चोर नकदी और पीतल के सामान को दो झोलों में भरकर आराम से परिसर से बाहर निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। पुजारी ने दोनों घटनाओं के संबंध में भेलूपुर थाने में लिखित तहरीर दी है, जिसके आधार पर मुकदमा भी दर्ज किया जा चुका है। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि, एक माह के भीतर दो बार मंदिर में चोरी की घटना होने से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि पुलिस चौकी इतनी नजदीक होने के बावजूद चोरों का बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग रात के समय गश्त बढ़ाने तथा मंदिरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

वाराणसी में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नीतू कात्यान एडीसीपी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस ने अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गिरोह का खुलासा करते हुए सरगना समेत 9 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह फर्जी कॉल सेंटर के जरिए नकली शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर लोगों से ठगी करता था। पुलिस ने 20 मोबाइल, 3 लैपटॉप, 30 बैंक कार्ड, 2 महिंद्रा थार, 24 ग्राम पीली धातु और 4.88 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। कार्रवाई डीजीपी राजीव कृष्णा के निर्देश और पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे साइबर अभियान के तहत हुई। आरोपियों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जेम पोर्टल पर शासकीय खरीद को लेकर क्रेता विभागों का प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्रेक्षागृह में 31 दिसंबर को जेम पोर्टल के माध्यम से शासकीय क्रय को सुचारू रूप से संपादित करने के उद्देश्य से क्रेता विभागों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जेम पोर्टल के प्रभावी उपयोग एवं खरीद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, राज्य जेम प्रकोष्ठ, लखनऊ द्वारा नामित जेम विशेषज्ञ श्री अंकित शुक्ला ने जेम पोर्टल की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विभागों द्वारा अपनाई जाने वाली निविदा एवं क्रय पद्धतियों, ऑनलाइन प्रक्रियाओं तथा पोर्टल के उपयोग में आने वाली व्यवहारिक समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। विषय विशेषज्ञ ने जानकारी दी कि जेम पोर्टल के माध्यम से सभी शासकीय विभागों एवं संस्थाओं द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि 50 हजार रुपये तक की सीधी खरीद जेम पोर्टल पर उपलब्ध किसी भी ऐसे आपूर्तिकर्ता से की जा सकती है, जो निर्धारित गुणवत्ता, विशिष्टताओं एवं आपूर्ति अवधि को पूरा करता हो। 50 हजार से अधिक एवं 10 लाख रुपये तक की खरीद तुलनात्मक आधार पर एल-1 (सबसे कम दर) आपूर्तिकर्ता से की जाएगी, जिसमें कम से कम तीन योग्य विक्रेताओं या निर्माताओं की तुलना आवश्यक होगी। वहीं 10 लाख रुपये से अधिक की खरीद अनिवार्य रूप से ऑनलाइन बिडिंग अथवा रिवर्स ऑक्शन टूल के माध्यम से की जाएगी। कार्यशाला में वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित जिला सेवायोजन, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जल निगम, अभियोजन, चकबंदी, ग्राम्य विकास, कृषि, विद्युत, गन्ना विकास, उद्यान, शिक्षा, जिला पूर्ति, खेल विभाग, युवा कल्याण, राज्कर, स्वास्थ्य विभाग, निर्वाचन एवं सूचना विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त उद्योग ने सभी उपस्थित विभागों के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला के सफल आयोजन की सराहना की।

जिलाधिकारी द्वारा पांच दिव्यांगजन को दी गई ट्राई साइकिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के समक्ष विभिन्न तिथियों पर जनसुनवाई के दौरान आए दिव्यांगजन द्वारा ट्राई साइकिल के लिए अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में आज जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पांच दिव्यांगजन नंदलाल, लालताराम, रामसेवक चौहान, सुनील कुमार सोनकर और परदेसी बनवासी को ट्राई साइकिल, मिष्ठान, पुष्पगुच्छ, देते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से तथा दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा आज पांच लाभार्थियों को ट्राई साइकिल दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि जो भी दिव्यांगजन है, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। सभी दिव्यांगजन को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से आच्छादित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांगजन लाभार्थियों से राशन कार्ड, पेंशन इत्यादि के संदर्भ में जानकारी ली। दिव्यांगजन द्वारा अवगत किया गया कि उन्हें योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, सहित दिव्यांगजन कल्याण विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बरसठी में ओटीएस योजना रही सफल, अंतिम दिन तक 1.5 करोड़ से अधिक की वसूली

-दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्युत विभाग द्वारा संचालित एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) बरसठी क्षेत्र में बेहद सफल साबित हुई है। योजना के तहत बकायेदार उपभोक्ताओं को मूलधन व ब्याज पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी गई, जिसका आज अंतिम दिन रहा। एसडीओ सुधीर चंद्र सोनकर ने बताया कि योजना के माध्यम से अब तक 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 3050 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपने पुराने बिजली बिलों का भुगतान कर ओटीएस योजना का लाभ उठाया। वर्षों से लंबित बिजली बकायों का निस्तारण होने से जहां विभाग के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, वहीं उपभोक्ताओं को बढ़े हुए ब्याज से बड़ी राहत मिली है। ओटीएस योजना के अंतर्गत ऐसे कई उपभोक्ता भी सामने आए, जिनके कनेक्शन बकाया होने के कारण कटे हुए थे या जिन पर अत्यधिक ब्याज चढ़ चुका था। एसडीओ ने स्पष्ट किया कि योजना की समय-सीमा समाप्त होने के बाद शेष बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने अपील की कि उपभोक्ता अंतिम दिन का लाभ उठाकर छूट के अनुसार अपना बकाया अवश्य जमा कर दें।

(अष्टम दिवस- समापन पूर्व दिवस : श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ)

भागवत कथा जीवन को मोह से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाती है : जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ

-प्रो. दयानंद तिवारी

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में श्री नारायण सेवा समिति, मुंबई के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के अष्टम पावन दिवस पर आज कथा अपने निष्कर्षात्मक चरण में प्रविष्ट हुई। संपूर्ण पंडाल भक्ति, वैराग्य और आत्ममंथन के वातावरण से परिपूर्ण रहा। श्रद्धालुओं में यह अनुभूति स्पष्ट थी कि कथा अब केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का आह्वान कर रही है। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि श्रीमद् भागवत मनुष्य को संसार से भागना नहीं सिखाती, बल्कि संसार में रहते हुए उससे मुक्त होना सिखाती है। उन्होंने कहा कि भागवत का मूल संदेश विवेक है, क्योंकि

विवेकः परमं ज्ञानम – विवेक ही सर्वोच्च ज्ञान है।

स्वामीजी ने कहा कि जब तक मनुष्य भोग को ही जीवन मानता है, तब तक अशांति रहती है, और जब सेवा, संयम और समर्पण जीवन का आधार बन जाते हैं, तभी भागवत का प्रकाश अंतःकरण में उतरता है। इस संदर्भ में उन्होंने श्लोक उद्धृत किया। न कर्मणा न प्रजया धनेन, त्यागेनैके अमृतत्वमानशुः।

अर्थात त्याग से ही अमरत्व अर्थात परम शांति की प्राप्ति होती है।

अष्टम दिवस पर स्वामीजी ने उद्धव-गोपी संवाद, ब्रह्मर गीत, राजा परीक्षित के वैराग्य, कलियुग के धर्म तथा नाम-स्मरण की महिमा पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कलियुग में यदि कोई सरलतम साधना है, तो वह– हरेर्नाम हरेर्नाम हरेनामैंव केवलम।

कलौ नास्त्येव नास्त्येव नास्त्येव गतिरन्यथा॥

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भागवत कथा का उद्देश्य केवल कथाझ्रश्रवण नहीं, बल्कि चरित्र शुद्धि और सामाजिक चेतना का निर्माण है, क्योंकि–

धर्मो रक्षति रक्षितः अर्थात धर्म की रक्षा करने पर धर्म स्वयं मनुष्य की रक्षा करता है।

स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने कहा कि वर्ष 2025 सनातन चेतना के पुनर्जागरण का वर्ष रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के ध्वजारोहण को उन्होंने सनातन संस्कृति के उत्सव और राष्ट्रीय आत्मगौरव का प्रतीक बताया। साथ ही काशी, उज्जैन, द्वारका और बद्रीनाथ जैसे तीर्थों में बढ़ती श्रद्धालु सहभागिता को उन्होंने यह प्रमाण बताया कि– यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत,

धर्म की हानि होने पर ईश्वर स्वयं उसके संरक्षण हेतु प्रकट होते हैं। कार्यक्रम में प्रतिदिन की भांति आज भी विशाल संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भजन-कीर्तन और हरिनाम संकीर्तन से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिरस से ओतप्रोत रहा।

पुलिस लाइन में सम्मान के साथ विदाई

एसपी डॉ. कौश्तुंभ ने अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले 8 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस विभाग में वर्षों तक कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के साथ सेवाएं देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सम्मान में बुधवार को पुलिस लाइन जौनपुर के सभागार कक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ० कौश्तुंभ द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हो रहे 08 पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को अंगवस्त्र एवं सम्मान-पत्र/स्मृति-चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ० कौश्तुंभ ने सभी सेवानिवृत कर्मियों के उज्ज्वल, सुखमय एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि इन पुलिसकर्मियों ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ विभाग की सेवा की है, जो सदैव प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सेवानिवृत कर्मियों के योगदान को याद करते हुए भावुक क्षण भी देखने को मिले। अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वालों में उपनिरीक्षक शिव प्रसाद, विद्यासागर सिंह, अशोक कुमार सिंह, देवेंद्र पाण्डेय, महिला उपनिरीक्षक इंदिरा देवी, मुख्य आरक्षी सूर्य नारायण सिंह, बरमेश्वर यादव एवं अनुचर राजेंद्र सरोज शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन तालियों और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

नए साल 2026 में महाराजगंज प्रखंड के लिए विकास का सुनहरा मौका

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज प्रखंड आने वाले नए साल 2026 में विकास के नए आयामों को छूने के लिए तैयार है। बिहार सरकार की ओर से यहां की आर्थिक-सामाजिक और अवसंरचनात्मक विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की जाने वाली हैं। साथ ही, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 भी यहां की राजनीतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा। सड़कों का होगा विशाल नवीकरण, महाराजगंज के विकास का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है सड़कों का चौड़ीकरण और निर्माण। शहर को जाम से मुक्त करने के लिए 10 किलोमीटर लंबे बाईपास सड़क का निर्माण कार्य 90 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह बाईपास शहर के पूर्वी छोर से शुरू होकर मांझी-बरौली पथ में मिलेगी, जिससे बड़े वाहनों को शहर से गुजरना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही, एनएच 227 सड़क का चौड़ीकरण भी 18.26 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यह 4.9 किलोमीटर की सड़क जीरादेई मोड़ से लेकर देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्मस्थान तक पहुंचेगी। इसके अलावा, दरौंदा से रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र को जोड़ने वाली 37 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 1.40 अरब रुपये की लागत से किया जाएगा। महाराजगंज प्रखंड में विद्युत प्रदाय को बेहतर बनाने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। माधोपुर महाराजगंज में 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र 9.93 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा, जबकि मशरख महाराजगंज में 132 केवी संचरण लाइन का निर्माण 9.43 करोड़ रुपये से होगा। ये परियोजनाएं क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति को स्थिर और नियमित बनाएंगी।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत 2.0 योजना के तहत महाराजगंज और सिसवा नगर पालिका को शामिल किया गया है। इस योजना के माध्यम से यहां सड़कों का विकास, जलापूर्ति नेटवर्क, सीवरेज प्रबंधन, पार्किंग, परिवहन नगर और अन्य आधुनिक नागरिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। केंद्रीय और राज्य स्तरीय टीमें जल्द ही संयुक्त सर्वेक्षण करेंगी। रोजगार और आर्थिक सहायता की नई योजनाएं लेबर कार्ड धारकों के लिए खुशखबरी है कि 2026 से उन्हें 5000 रुपये की वार्षिक वस्त्र सहायता दी जाएगी, जो पहले 2500 रुपये थी। यह राशि सीधे उनके खातों में जमा की जाएगी। इसके अलावा, निर्माण श्रमिकों के लिए पेंशन, स्वास्थ्य कवर और अन्य लाभ भी जारी रहेंगे। महिलाओं के लिए बिहार मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना जारी है, जिसके तहत महिलाएं अपना स्वरोजगार शुरू करने के लिए 10,000 रुपये की प्रथम किश्त लेकर उसके बाद 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

अबकी बार 50 के पार पहुंचेगा धनुषबाण, अहंकारी राजनीति का अंत

प्रताप सरनाईक ने चुनावी बिगुल बजाया

-तारकेश्वर पांडे

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर नगर निगम का राजनीतिक मैदान अब गरमा गया है और शिवसेना (शिंदे गुट) आगामी 2026 चुनावों के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सीधा चैलेंज देते हुए कहा है, अहंकार और घमंड को खत्म करने के लिए धनुष-बाण तैयार हैं। इस चुनाव में किसी गठबंधन का इंतजार किए बिना, शिवसेना ने 81 सीटों पर अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारा है और अब की बार 50 पार का नारा लगाकर सरनाईक ने विपक्ष को जगा दिया है। यह चुनाव सरनाईक बनाम मेहता का हो गया है, व्यक्तिगत अहंकार ही इस सौदे को विफल कर देगा। प्रताप सरनाईक ने इस मौके पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह लड़ाई कभी भी शिवसेना बनाम भाजपा नहीं थी और न ही है। यह लड़ाई प्रताप सरनाईक बनाम नरेंद्र मेहता की है। जिस तरह मीरा भायंदर की जनता ने 2019 में नरेंद्र मेहता के अहंकार को चूर-चूर किया था, वही चमत्कार 2026 में फिर से होगा। जनता विकास चाहती है, किसी की तानाशाही नहीं। गठबंधन क्यों टूटा, सरनाईक ने कच्ची सूची पेश की, मीरा भायंदर में महागठबंधन न बन पाने का कारण बताते हुए सरनाईक ने कहा हम अंत तक गठबंधन के प्रति सकारात्मक थे। मुंबई और कल्याण-डोम्बिवली में हमारा गठबंधन अटूट है। मैंने तो ठाणे में अपने ओवाला-मजीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र की एक सीट भाजपा को दे दी थी। लेकिन मीरा भायंदर में सिर्फ एक विधायक के अहंकार, घमंड और स्वार्थ के कारण गठबंधन की सारी योजना धरी रह गई। हम किसी से कुछ नहीं मांग रहे थे, हम सिर्फ अपनी हक की सीटें मांग रहे थे। लेकिन मेहता ने पहल नहीं की, इसलिए अब शिवसेना स्वतंत्र रूप से भगवा झंडा फहराने को तैयार है। जातिगत राजनीति को दरकिनार रखते हुए, केवल विकास का एजेंडा।

इस बार शिवसेना ने जाति और धर्म से परे जाकर महाराष्ट्रीयन' पहचान को महत्व देते हुए 81 सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। सरनाईक ने दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, हम नाम के बल पर नहीं, बल्कि किए गए कार्यों के बल पर वोट मांगेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना नगर निगम पर एकाधिकार प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और शिव सैनिकों की स्वतंत्र शक्ति और ताकत को प्रदर्शित करने की रणनीति चुनावों के माध्यम से पूरे शहर को दिखाई देगी। मीरा भायंदर की गलियों में अब चुनावी माहौल गरमा रहा है और प्रताप सरनाईक के आक्रामक रुख ने प्रतिद्वंद्वी गुटों में हलचल पैदा कर दी है। सरनाईक ने तंज कसते हुए कहा, अहंकार का अंत हमेशा बुरा होता है। अब आनेवाला समय ही बताएगा कि किसमें कितना है दम।

5जी की रफ्तार ने छीनी काड्र्स की रौनक, अब क्लिक पर सिमटीं नववर्ष की खुशियां

सीवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज वक्त के साथ परंपराएं बदलती हैं, लेकिन तकनीक ने ग्रीटिंग काड्र्स के उस दौर को लगभग इतिहास बना दिया है, जब नए साल की आहट से पहले बाजारों में रौनक बढ़ जाती थी। कभी अपनों को शुभकामना संदेश भेजने के लिए दुकानों पर घंटों कार्ड चुनने की जो होड़ मचती थी, वह अब मोबाइल की स्क्रीन तक सिमट गई है।आज व्हाट्सएप, फेसबुक, परंपरागत कारोबार पर संकट के बादल से ढक दिया है। इस डिजिटल बदलाव का सबसे बुरा असर स्थानीय दुकानदारों पर पड़ा है. शहर के पुराने व्यवसायी बताते हैं कि पहले नववर्ष के दौरान ग्रीटिंग काड्र्स की बिक्री से अच्छी कमाई होती थी। लेकिन अब बाजार सिमट गया है. नुकसान के डर से दुकानदारों ने स्टॉक मंगवाना काफी कम कर दिया है। गिफ्ट गैलरी और स्टेशनरी दुकानों पर अब वो पहले वाली भीड़ नजर नहीं दिख रही है। 5जी नेटवर्क और स्मार्टफोन की तेज रफ्तार ने एक ही क्लिक में सैकड़ों लोगों तक एनिमेटेड पोस्टर और वीडियो संदेश पहुंचाना आसान कर दिया है। डिजिटल माध्यमों की इसी चकाचौंध के कारण अब लोग कागजी कार्ड खरीदने की जरूरत महसूस नहीं करते है। युवा ही नहीं, बल्कि बुजुर्ग भी अब सोशल मीडिया पर सक्रिय होकर इसी माध्यम को अपना रहे हैं। हालांकि, आज भी एक छोटा वर्ग ऐसा है जो हाथ से लिखे संदेशों की अहमियत समझता है। उनके लिए ग्रीटिंग कार्ड महज कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक यादगार है जिसे सालों तक संभालकर रखा जा सकता है।जानकारों का मानना है कि तकनीक ने सुविधा तो दी है, मगर इसके साथ एक पुरानी परंपरा और उससे जुड़ा भावनात्मक जुड़ाव धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।